श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज़
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 24 ग्वालियर, मंगलवार 25 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

450 करोड़ से अधिक का निवेश, 2250 से ज्यादा रोजगार के अवसर; उत्पादन क्षमता बढ़कर 3.20 लाख मीट्रिक टन सालाना होगी

मालनपुर में गोदरेज की चौथी विनिर्माण इकाई का कल शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री यादव

ग्वालियर/भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 अगस्त को भिंड जिले के औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में गॉदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की विस्तारित चौथी विनिर्माण इकाई का शुभारंभ करेंगे। इकाई के विस्तार पर 450 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। इससे मालनपुर संयंत्र की उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ 2250 से अधिक नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लोक निर्माण विभाग में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र भी वितरित करेंगे।

कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा भिंड जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गॉदरेज समूह के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

साबुन से लेकर हेयर कलर तक बढ़ेगा उत्पादन : विस्तार परियोजना के तहत 10 मीट्रिक टन प्रति घंटे क्षमता वाला निरंतर सैपोनिफिकेशन संयंत्र और प्रति मिनट 217 बंडल की क्षमता वाली स्वचालित पैकेजिंग प्रणाली स्थापित की जा रही है। इसके बाद संयंत्र में प्रतिवर्ष 42 करोड़ हेयर कलर सैशे, 14 करोड़ मच्छर

निरोधक उत्पाद और 10 करोड़ एयर फ्रेशनर सैशे के उत्पादन की क्षमता विकसित होगी। वहीं हेयर क्रीम उत्पादन क्षमता 7300 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हो जाएगी।

इस विस्तार से भिंड और आसपास के क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी। सरकार को प्रतिवर्ष करीब 185 करोड़ रुपये का अतिरिक्त केंद्रीय और राज्य वस्तु एवं सेवा कर राजस्व मिलने की संभावना है।

3.20 लाख मीट्रिक टन होगी कुल क्षमता : मालनपुर संयंत्र में वर्तमान में प्रतिवर्ष 1.50 लाख मीट्रिक टन साबुन नूडल्स और 70 हजार मीट्रिक टन तैयार टॉयलेट साबुन के उत्पादन की क्षमता है। विस्तार के बाद साबुन नूडल्स की क्षमता बढ़कर 2 लाख मीट्रिक टन और तैयार साबुन की क्षमता 1.20 लाख मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हो जाएगी। इस तरह कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 3.20 लाख मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हो जाएगी।

कंपनी के अनुसार विस्तार के बाद मालनपुर संयंत्र एशिया की सबसे बड़ी एकीकृत साबुन विनिर्माण इकाई बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

35 साल से मालनपुर में संचालित है संयंत्र : गॉदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड वर्ष 1991 से मालनपुर में संचालित है। 65 एकड़ में फैले संयंत्र में अब तक करीब 850 करोड़ रुपये का संचयी निवेश किया जा चुका है। तीन दशक से अधिक समय में यह संयंत्र गॉदरेज के विनिर्माण तंत्र के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। यहां साबुन, हेयर कलर और घरेलू कीटनाशक सहित विभिन्न उत्पादों का निर्माण किया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर : विनिर्माण विस्तार के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मालनपुर संयंत्र में शून्य तरल अपशिष्ट उत्सर्जन प्रणाली के साथ 204 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाएगा। कंपनी के अनुसार गॉदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स दुनिया की टिकाऊ एफएमसीजी कंपनियों में भी प्रमुख स्थान रखती है।

नई इकाई के शुभारंभ के साथ मालनपुर में औद्योगिक निवेश, उत्पादन और रोजगार के क्षेत्र में एक और बड़ा विस्तार होने की उम्मीद है।

मोदी की नई टीम को नसीहत, जीत पर मत इतराओ, जनता से जुड़े रहो

नई दिल्ली जीएनएस

भारतीय जनता पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम के गठन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी के नए पदाधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें संगठन और जनसेवा का मंत्र दिया। नितिन नबीन के नेतृत्व में गठित नई राष्ट्रीय टीम से पहली मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि चुनावी जीत को अंतिम उपलब्धि मानकर आत्ममुग्ध होने के बजाय लगातार जनता के बीच रहना जरूरी है। पार्टी की ताकत कार्यकर्ता और जनता से उसके सीधे जुड़ाव में है। ऐसे में संगठन को मजबूत करने के

साथ जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने नई टीम को भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में जीत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन जीत के बाद जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जनता ने जिस भरोसे के साथ पार्टी को समर्थन दिया है, उसे बनाए रखना संगठन की सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जमीन से जुड़े रहना होगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम में अनुभवी नेताओं के साथ नए चेहरों को भी जगह दी गई है। पार्टी का प्रयास संगठन को आने वाले वर्षों की राजनीतिक जरूरतों के अनुरूप तैयार करने का है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 अगस्त को भिंड जिले के प्रवास पर रहेंगे

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दिनांक 26 अगस्त 2026, बुधवार को जिले के मालनपुर क्षेत्र आयेंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 26 अगस्त 2026 को ग्वालियर एयरपोर्ट से प्रस्थान कर अपरान्ह 02:40 बजे भिण्ड जिले के मालनपुर हेलीपैड आयेंगे तथा स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपरान्ह 04:00 बजे मालनपुर हेलीपैड से ग्वालियर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे।

नवागत निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने किया पदभार ग्रहण

ग्वालियर जीएनएस

नवागत नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने मंगलवार को नगर निगम ग्वालियर के आयुक्त पद का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने अचलेश्वर मंदिर एवं मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और शहर के विकास एवं नागरिकों की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद वे नगर निगम मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने निगम आयुक्त का पदभार संभाला।

रीवा में प्रभावी मध्यस्थता से दंपती ने भुलाए मतभेद, साथ रहने का लिया संकल्प

वन स्टॉप सेंटर की संवेदनशील काउंसलिंग से फिर जुड़ा बिखरता परिवार

भोपाल जीएनएस

समय पर हस्तक्षेप, संवेदनशील काउंसलिंग और सकारात्मक मध्यस्थता किसी टूटते परिवार को फिर से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। रीवा में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर ने ऐसे ही एक प्रकरण में प्रभावी हस्तक्षेप करते हुए लंबे समय से तनावपूर्ण वैवाहिक जीवन से गुजर रहे दंपती के बीच संवाद स्थापित कराया। केंद्र के निरंतर प्रयासों के बाद पति-पत्नी ने अपने मतभेद दूर कर पुनः साथ रहने और शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन व्यतीत करने का निर्णय लिया।

मामला मऊगंज जिले के हनुमाना थाना क्षेत्र के ग्राम महरी निवासी रंजना साहू और उनके पति सुनील साहू से संबंधित है। दोनों का विवाह 13 दिसंबर 2021 को हिंदू रीति-रिवाजों से हुआ था। विवाह के शुरुआती महीनों में पारिवारिक जीवन सामान्य रहा, लेकिन बाद में आवेदिका ने ससुराल पक्ष द्वारा दहेज के लिए वाहन की मांग तथा पति द्वारा नशे की स्थिति में

मारपीट और मानसिक प्रताड़ना किए जाने की शिकायत वन स्टॉप सेंटर, रीवा में दर्ज कराई। लगातार बढ़ते विवादों के कारण दंपती का वैवाहिक जीवन टूटने की कगार पर पहुंच गया था।

शिकायत प्राप्त होने के बाद वन स्टॉप सेंटर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों से संपर्क किया और काउंसलिंग के लिए बुलाया। प्रारंभिक निर्धारित तिथि 9 जून को अनावेदक के उपस्थित नहीं होने के बावजूद केंद्र ने प्रयास जारी रखे। लगातार संपर्क और फॉलोअप के बाद 16 जून को पति सुनील साहू केंद्र में उपस्थित हुए। इसके बाद दोनों पक्षों की समस्याओं को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ काउंसलिंग और मध्यस्थता की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। वन स्टॉप सेंटर रीवा की प्रभारी प्रशासक सुश्री श्रुति मिश्रा, परामर्शदाता सुश्री सलमा खान, प्रधान आरक्षक सुश्री रंजना तिवारी तथा केस वर्करों ने दोनों पक्षों से संवाद कर उन्हें वैवाहिक जीवन में आपसी सम्मान, विश्वास और संवाद के महत्व को समझाया। काउंसलिंग के दौरान पति को नशे और हिंसात्मक व्यवहार के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए भविष्य में किसी भी प्रकार की मारपीट अथवा मानसिक प्रताड़ना नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही परिवार की एकता, सामाजिक जिम्मेदारी और बच्चों के सुरक्षित भविष्य के महत्व पर भी चर्चा की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना अभिमुखीकरण कार्यक्रम एवं सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस। विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरार, ग्वालियर में आज राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्र्) का अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हरिशंकर सिंह कंसाना, राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मनोज अवस्थी, माधव महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना जिला संगठन, तथा वरिष्ठ राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय पांडे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका एवं महत्ता पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेविकाओं को नए सत्र में आयोजित होने वाली सभी गतिविधियों को पूर्व की अपेक्षा अधिक प्रभावी, व्यवस्थित एवं रचनात्मक ढंग से संपन्न करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी स्वयंसेविकाओं से उत्साहपूर्वक

सहभागिता करते हुए महाविद्यालय एवं समाज के हित में बेहतर कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. हरिशंकर सिंह कंसाना ने स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व, उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं स्वयंसेवकों की भूमिका से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सेवा, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज अवस्थी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना को केवल एक गतिविधि के रूप में न लेकर ÷राष्ट्रीय सेवा योजना को जीने÷ की भावना के साथ कार्य करने का संदेश दिया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय पांडे ने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए स्वयंसेविकाओं का मार्गदर्शन किया।

इसी अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक का भी आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. हरिशंकर सिंह कंसाना, डॉ. मनोज अवस्थी एवं डॉ. संजय पांडे के साथ महाविद्यालय की सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. मंजू सिंह वीर एवं डॉ. दीपा वर्मा सहित महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सिंह डॉ. अर्चना शर्मा एवं डॉ .इंदु गुप्ता उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय सेवा योजना की वर्षभर की प्रस्तावित गतिविधियों, सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों तथा स्वयंसेविकाओं की सक्रिय सहभागिता से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा वर्षभर की गतिविधियों को व्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन का आश्वासन दिया गया।

अनुसूचित जनजाति के युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने का सुनहरा अवसर

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत आवेदन माँगे

ग्वालियर, जीएनएस। अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। सरकार द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इन योजनाओं के तहत ग्वालियर जिले के अनुसूचित जाति के युवाओं से इन योजनाओं के तहत 21 सितम्बर तक आवेदन माँगे गए हैं।

राज्य आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र ऑनलाइन पोर्टल ह्यड्डद्बड्डह्यह्ल.द्वश्चश्ठ्ठ-द्यद्बठ्ठद्ग.द्द्श1.द्बठ्ठ पर भरे जा सकते हैं। साथ ही इसकी हार्डकॉपी शारदा विहार सिटी सेंटर स्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के कार्यालय में जमा करनी होगी।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के तहत एक से 50 लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। सरकार द्वारा नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर 5 प्रतिशत अथवा वास्तविक जो भी कम हो, की दर से 7 वर्षों तक ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही गारंटी फीस भी सरकार देती है। योजना के तहत जिले को 5 इकाईयाँ स्थापित करने का लक्ष्य मिला है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य हो और परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपए से अधिक न हो। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत 10 हजार रूपए से एक लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। जिसके लिये सरकार द्वारा पाँच वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान एवं गारंटी फीस दी जाती है। इस योजना के तहत जिले में 24 युवाओं को लाभान्वित कराने का लक्ष्य है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदक की आयु 18 से 55 वर्ष के मध्य हो और परिवार आयकरदाता न हो। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत 24 इकाईयों का लक्ष्य मिला है।

विस्तृत जानकारी के लिए शारदा विहार सिटी सेंटर स्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं शाखा प्रबंधक आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

एमपी ट्रांसको ने सीहोर में किया 50 एमवीए क्षमता का दूसरा पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत: ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल, जीएनएस। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने सीहोर जिले की पारेषण व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाते हुए 132 केवी सब स्टेशन, गोपालपुर में 50 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे ऊर्जीकृत किया है। साथ ही सब स्टेशन की ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 90 एमवीए हो गई है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि अब तक इस सब स्टेशन में केवल एक पॉवर ट्रांसफार्मर कार्यरत था। बढ़ते विद्युत भार तथा पारेषण व्यवस्था की विश्वसनीयता को ध्यान में रखते हुए दूसरा ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। दो पॉवर ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता से लोड प्रबंधन बेहतर होगा तथा किसी एक ट्रांसफार्मर के रखरखाव अथवा तकनीकी कारणों से बंद रहने की स्थिति में भी विद्युत पारेषण प्रभावित नहीं होगा।

ऊर्जीकृत हुआ 27वां एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज पॉवर ट्रांसफार्मर

एमपी ट्रांसको भोपाल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री राजेश शांडिल्य ने जानकारी दी कि इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने के साथ ही सीहोर जिले में कार्यरत एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज पॉवर ट्रांसफार्मरों की संख्या 27 हो गई है। जिले में एमपी ट्रांसको 11 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण कार्य संचालित कर रही है। इनमें 400 केवी आष्टा, 220 केवी बुधनी तथा 132 केवी गोपालपुर, शाहगंज, सलकनपुर, इछावर, सीहोर, श्यामपुर और नसरुल्लागंज सहित अन्य सब स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नए ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से जिले की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 2607 एमवीए हो गई है। एमपी ट्रांसको की ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 85,398 एमवीए एमपी ट्रांसको प्रदेश में 417 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण कार्य संचालित कर रही है, जिनमें 400 केवी के 14, 220 केवी के 88 तथा 132 केवी के 315 सब स्टेशन शामिल हैं। कंपनी के प्रदेशभर में कुल 1,055 पॉवर ट्रांसफार्मर क्रियाशील हैं, जिनमें 400 केवी स्तर के 41, 220 केवी स्तर के 220 तथा 132 केवी स्तर के 794 पॉवर ट्रांसफार्मर शामिल हैं। गोपालपुर में 50 एमवीए क्षमता का नया पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत होने से एमपी ट्रांसको की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 85,398 एमवीए हो गई है।

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रस की जुझारू, हर वर्ग, सबको साथ लेकर चलने वाली हम सबकी हितेषी बहन श्रीमती ज्योति सिंह जी का संत जोन कैथेड्रल (चर्च) में आईं। ईसाई समाजसेवियो ने भव्य स्वागत कर, मिठाई बांटीं, एवं मिठा मुंह कराया। साथ में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र सिंह तोमर थे। इस अवसर पर परमपिता ईश्वर प्रभु येशु के चर्च में फादर जोसेफ चकल्लका जी से आशीर्वाद लिया, एवं उनके लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर समाजसेवी सरला दास, एडवोकेट राजू फ्रांसिस, शंकर पौल, जोसेफ एलिकजेडर, सहीत अन्य लोग उपस्थित थे।

भिंड हाईवे की समस्या को लेकर एक बार फिर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात करने पहुंचे संत

दास्तां खुशियों की निशांत के मुरझाए चेहरे पर लौटी मुस्कान...

ग्वालियर, जीएनएस। एक माँ की गोद में जब बच्चा किलकारियाँ भरता है, तो वह हँसी पूरे घर को रोशन कर देती है। लेकिन कुछ महीने पहले तक ग्वालियर जिले के विकासखंड मुरार स्थित ग्राम बिल्हेटी के छोटे से घर में यह हँसी कहीं खो गई थी। श्री धर्मेन्द्र और श्रीमती निशा के आँगन में जन्मा उनका लाडला निशांत, जन्म के साथ ही एक कठिन लड़ाई में उलझ गया था। वह लड़ाई थी कुपोषण के खिलाफ ।

महज 6.600 किलोग्राम वजन और 65 सेंटीमीटर की लंबाई के साथ जन्मा यह नन्हा जीवन बेहद नाजुक था। हर गुजरता दिन माता-पिता के लिए चिंता की एक नई परत जोड़ रहा था। कहा जाता है कि हर अंधेरे के पीछे एक उम्मीद की किरण जरूर होती है। यह किरण बनकर आईं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ऊषा राणा और साथ में सरकार द्वारा संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) । आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने अपनी अनुभवी नजरों से समय रहते निशांत में कुपोषण के लक्षण भाँप लिए। उन्होंने निशा और धर्मेन्द्र से मुलाकात कर निशांत के स्वास्थ्य पर खुलकर बात की। साथ ही उसे पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) में भर्ती कराने की सलाह दी।शुरुआत में यह सलाह आसान नहीं थी। किसी भी माता-पिता की तरह, निशा और धर्मेन्द्र के मन में

भी झिझक और डर था कि अपने नवजात को घर से दूर, एक केन्द्र में कैसे लेकर रहें। लेकिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ऊषा राणा ने हार नहीं मानी। उन्होंने धैर्य के साथ, बार-बार परिवार से संवाद किया, समझाया कि यही रास्ता निशांत को स्वस्थ भविष्य दे सकता है। आखिरकार, एक माँ का दिल अपने बच्चे की भलाई के आगे झुक गया, और परिवार निशांत को एनआरसी में भर्ती कराने के लिए राजी हो गया। पोषण पुनर्वास केन्द्र में बीते निशांत के 14 दिन उसके जीवन के सबसे निर्णायक अध्याय बनकर आए। पोषण पुनर्वास केन्द्र में उसे मिली विशेषज्ञ देखभाल, संतुलित पोषण और सतत चिकित्सा निगरानी ने धीरे-धीरे कमाल दिखाना शुरू किया। जो बच्चा कुछ दिन पहले तक कमजोर और सुस्त था, अब उसका वजन बढ़ने लगा, लंबाई सामान्य गति से बढ़ने लगी, और सबसे खूबसूरत बात उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। एनआरसी से छुट्टी के बाद भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ऊषा राणा ने निशांत का हाथ नहीं छोड़ा। तीन फॉलोअप विजिट्स के जरिए उसके स्वास्थ्य पर नजर बनाए रखी। साथ ही माता-पिता को पोषण व देखभाल की बारीकियाँ समझाईं। अब निशांत की खिलखिलाहट इस बात की जीती-जागती मिसाल है कि सही समय पर पहचान, सही इलाज और निरंतर अपनापन किसी भी कुपोषित बच्चे की जिंदगी बदल सकता है। उसके माता-पिता की आँखों में जो चमक है, वह शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उनका कहना है कि सरकार एनआरसी के माध्यम से हम जैसे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को नई जिंदगी दे रही है। निशांत की खुशियों की यह दास्तां सिर्फ एक बच्चे की जीत और एनआरसी की सफलता ही नहीं, बल्कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का समर्पण भी है, जो चुपचाप, बिना थके घर-घर जाकर उम्मीद के दीये जलाती रहती हैं।

बच्चों की जिज्ञासा बनी स्वच्छता की सीख

गीले कचरे से खाद बनाने से लेकर प्लास्टिक के विकल्प तक समझे छात्र

ग्वालियर, जीएनएस।

स्वच्छ स्कूल प्रतियोगिता के तहत मुरार एक्सीलेंस स्कूल में आयोजित स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कचरा प्रबंधन को लेकर उत्सुकता के साथ सवाल किए। बच्चों ने जानना चाहा कि गीले कचरे से खाद कैसे तैयार होती है, सूखे कचरे का उपयोग किस प्रकार किया जाता है और सिंगल यूज प्लास्टिक का बेहतर विकल्प क्या हो सकता है। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के सवालों का सरल एवं व्यावहारिक तरीके से जवाब देते हुए स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया समझाई।

गीले कचरे से बन सकती है उपयोगी खाद

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि घरों और स्कूलों से निकलने वाले फल-सब्जियों के छिलके, भोजन के अवशेष और अन्य जैविक कचरे को अलग एकत्रित कर जैविक प्रक्रिया के माध्यम से खाद तैयार की जा सकती है। गीले कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया से कचरे की

मात्रा कम होने के साथ ही उपयोगी जैविक खाद भी प्राप्त होती है।

विद्यार्थियों को समझाया गया कि यदि गीले और सूखे कचरे को शुरुआत से ही अलग-अलग रखा जाए तो कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण और पुन~ उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। सूखा कचरा भी है उपयोगी, समझी रीसाइक्लिंग की प्रक्रिया छात्रों को बताया गया कि कागज, प्लास्टिक, कांच और धातु जैसी सूखी सामग्री को अलग-अलग एकत्रित कर उसकी छंटाई की जाती है। उपयोगी सामग्री को पुनर्चक्रण अथवा पुन~ उपयोग के लिए भेजा जाता है। इससे कचरे की मात्रा कम करने के साथ संसाधनों का संरक्षण भी किया जा सकता है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प अपनाने का संदेश

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने के उपाय भी पूछे। उन्हें कपड़े और जूट के थैले तथा बार-बार उपयोग किए जा सकने वाले विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव के माध्यम से प्लास्टिक कचरे को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

विद्यार्थियों से कहा— स्वच्छता को आदत बनाएं

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को घर, स्कूल और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने, गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने की समझाइश दी गई।

जर्जर स्कूल भवनों को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र सख्त, कलेक्टर से अनुमति लेकर तुरंत गिराने के आदेश

भोपाल, जीएनएस।

मध्यप्रदेश में बारिश के मौसम में जर्जर स्कूल भवनों में हादसों को रोकने के लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने बड़ा आदेश जारी किया है। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र हरजिंदर सिंह और आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह ने संयुक्त आदेश में सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयकों को निर्देश दिए हैं कि जो भी शासकीय शाला भवन जीर्ण-शीर्ण, जर्जर या अनुपयोगी हैं, उन्हें तुरंत ध्वस्त किया जाए।

राज्य शिक्षा केन्द्र, पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स भोपाल से 17 अगस्त 2026 को जारी पत्र क्रमांक /रा.शि.के./निर्माण-5/2026/4697-4698 के अनुसार, विभाग ने स्पष्ट किया है कि मैनुअल भाग-1 कंडिका 3.039 के अनुसार ऐसे भवनों को Dismantle (ध्वस्त) करने की अनुमति कलेक्टर द्वारा प्रदत्त है। इस अनुमति के बाद शीघ्र ध्वस्त कराने की कार्यवाही नियमानुसार की जाए।

गेट पर लगेगा लाल रंग का चेतावनी बोर्ड

आदेश में सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि यदि किसी भी परिस्थिति में जर्जर भवन को ध्वस्त करने की कार्यवाही नहीं हो पाई है, तो उस भवन के मुख्य द्वार या बाहरी दीवार पर स्पष्ट और दूर से दिखाई देने वाला 3×3 फीट का क्रॉस (ङ्क) का निशान गहरे लाल रंग से अंकित किया जाए।

साथ ही उसी दीवार पर चेतावनी नोटिस भी चस्पा करना होगा, जिसमें बड़े अक्षरों में लिखा हो कि - ÷यह भवन जर्जर / ध्वस्त घोषित किया जा चुका है और इसे खाली करने या गिराने के आदेश जारी किए गए हैं। ताकि बच्चे, शिक्षक, अभिभावक और आम नागरिक गलती से भी उस भवन में प्रवेश न करें।

जीर्ण-शीर्ण भवनों में कक्षा पूरी तरह प्रतिबंधित

आदेश के दूसरे बिंदु में कहा गया है कि जो भवन जीर्ण-शीर्ण की श्रेणी में हैं, ऐसे भवनों को नियमानुसार वर्गीकरण (क्लासिफिकेशन) की कार्यवाही अति शीघ्र की जाए। तथा किसी भी परिस्थिति में ऐसे भवनों में कक्षा संचालित न की जाए। यानी अब कोई भी प्रधानाध्यापक या प्रभारी यह बहाना नहीं बना सकेगा कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, इसलिए जर्जर भवन में ही क्लास लगा रहे हैं। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर और जिला पंचायत ष्टश्वह्र को भी भेजी कॉपी: इस आदेश की प्रतिलिपि प्रदेश के सभी कलेक्टर, संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को भी भेजी गई है। ताकि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया में राजस्व और पंचायत विभाग से समन्वय में देरी न हो। गौरतलब है कि प्रदेश में कई जिलों में अभी भी सैकड़ों शासकीय स्कूल भवन ऐसे हैं जो 30 से 40 साल पुराने हैं। कई जगह छत से प्लास्टर गिरने, दीवारों में दरार आने और बरसात में पानी टपकने की घटनाएं सामने आती रही हैं।

ऑनलाइन परीक्षा सहित आठ सूत्रीय मांगें

आईआईटीजी पैन इंडिया लेवल टूरिस्ट गाइड परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में आक्रोश

जयपुर, जीएनएस।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के प्रमाणित टूरिस्ट फैसिलिटेटर्स एव लाइसेंस्ड पर्यटक गाइड रवि शंकर धाभाई ने राष्ट्रपति महोदया, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत , एवम भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सचिव एवं भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (द्बद्बञ्जरू) के निदेशक सहित अन्य संबंधित अधिकारियों से आईआईटीजी पैन इंडिया लेवल टूरिस्ट गाइड परीक्षा को लेकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि हजारों अभ्यर्थी लंबे समय से परीक्षा और प्रमाणन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जबकि परीक्षा प्रक्रिया में देरी से उनके रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रभावित हो रहे हैं।

अभ्यर्थियों का कहना है कि 12 सितंबर 2026 को प्रस्तावित परीक्षा को 14 अगस्त को आगामी आदेश तक स्थगित किए जाने से देशभर के उम्मीदवारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। अनेक अभ्यर्थियों ने ट्रेन, बस और फ्लाइट टिकट तथा होटल बुकिंग पहले से कर रखी थी। परीक्षा स्थगित होने के बाद कैंसिलेशन शुल्क एवं अन्य खर्चों के कारण उन्हें आर्थिक क्षति हुई। अभ्यर्थियों ने इस वास्तविक नुकसान पर मानवीय एवं सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की मांग की है।

सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर धाभाई ने कहा कि टूरिस्ट गाइड पर्यटन उद्योग की रीढ़ हैं और उनके भविष्य से जुड़ी परीक्षा व्यवस्था पारदर्शी, सरल, व्यावहारिक और अभ्यर्थी हितैषी होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि आगामी आईआईटीजी परीक्षा केवल ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाए, ताकि अभ्यर्थियों को दूसरे शहरों में जाकर यात्रा, होटल और भोजन पर अतिरिक्त खर्च न करना पड़े। अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगों में उत्तीर्णांक 60 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत, परीक्षा शुल्क ?2,500 से घटाकर ?250, तथा परीक्षा वर्ष में कम से कम चार बार आयोजित करना शामिल है। साथ ही मांग की गई है कि ?250 का शुल्क वर्ष में केवल एक बार लिया जाए और उसी शुल्क पर चारों अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

अभ्यर्थियों ने यह भी मांग की है कि प्रश्नपत्र व्यावहारिक एवं प्रशिक्षण आधारित हो तथा भारतीय इतिहास, संस्कृति, स्मारकों, विरासत, पर्यटन, संवाद कौशल और पर्यटकों के साथ व्यवहार जैसे विषयों पर केंद्रित हो। अत्यधिक तकनीकी एवं अप्रासंगिक प्रश्नों तथा नकारात्मक अंकन की समीक्षा की जाए। इसके अतिरिक्त, परीक्षा से कम से कम दो माह पूर्व भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (द्बद्बञ्जरू) द्वारा निःशुल्क ऑनलाइन तैयारी कक्षाएं संचालित करने की मांग की गई है, ताकि देशभर के अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सके।

दिल्ली की तैयारियों के लिए शिक्षक संयुक्त मोर्चा की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर, जीएनएस।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रांतीय आव्हान पर संयुक्त मोर्चा की बैठक गाँधी पार्क फूलवाग ग्वालियर में सम्पन्न हुए बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 लागू होने के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से मुक्त

कराने के लिए केंद्र सरकार संसद में अध्यादेश लाये,नियमों में संशोधन करें तथा संशोधित नियमों को माननीय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करे अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ग्वालियर के जिला संयोजक लक्ष्मी नारायण जाटव ने बताया कि टीईटी के विरुद्ध लगभग 14 राज्यों के शिक्षक दिनांक 30अगस्त 2026 को दिल्ली के जंतर मंतर पर एकत्रित होकर अपनी आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम करेंगे इस हेतु एक ज्वाइंट टीचर्स फ्रंट (छ्वञ्जस्न) राष्टीय संगठन का भी गठन किया गया है जो देश भर के लगभग 25 लाख शिक्षकों को टीईटी से मुक्ति दिलाने की लडाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा बैठक में उपस्थित सभी शिक्षकों ने हजारों की संख्या में दिल्ली जाने के लिए अपनी सहमति भी दी है जो शिक्षक साथी किसी कारणवश मीटिंग उपस्थित नही हो सके उनसे भी संयुक्त मोर्चा की ओर से अपील है कि 30 अगस्त 2026 को किसी भी माध्यम से दिल्ली अवश्य पहुंचें !

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

सिर्फ शिक्षा से बेरोजगारी का समाधान नहीं हो सकता

डॉ. विजय गर्ग

बेरोजगारी का सबसे मजबूत समाधान अक्सर शिक्षा को माना जाता है। युवाओं को मेहनत से पढ़ाई करने, डिग्रियां हासिल करने और योग्यताएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाता है, इस उम्मीद के साथ कि शिक्षा उन्हें अपने आप एक सुरक्षित और सम्मानजनक नौकरी दिला देगी। निस्संदेह, शिक्षा व्यक्तिगत विकास, रोजगार योग्यता और आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन केवल शिक्षा से बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध काफी जटिल है। किसी देश में लाखों शिक्षित युवा हो सकते हैं, फिर भी बेरोजगारी बढ़ सकती है, यदि अर्थव्यवस्था पर्याप्त नौकरियां पैदा न कर रही हो, शिक्षा बाजार की जरूरतों के अनुरूप न हो या युवाओं के पास व्यावहारिक कौशल और कार्य अनुभव की कमी हो।

डिग्रियां अपने आप नौकरियां पैदा नहीं करतीं : एक डिग्री अवसरों के दरवाजे खोल सकती है, लेकिन जहां नौकरी ही उपलब्ध न हो, वहां डिग्री नौकरी पैदा नहीं कर सकती। यदि स्नातकों की संख्या उपयुक्त रोजगार के अवसरों की तुलना में तेजी से बढ़ती है, तो शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी बढ़ सकती है।

यह समस्या विशेष रूप से तब दिखाई देती है जब बड़ी संख्या में विद्यार्थी एक जैसे पारंपरिक करियर विकल्पों को चुनते हैं। सरकारी नौकरियां, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, अध्यापन और कुछ अन्य पेशों को अक्सर सुरक्षित और प्रतिष्ठित माना जाता है। जब हजारों उम्मीदवार सीमित पदों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो योग्य युवा भी कई वर्षों तक बेरोजगार या अपनी योग्यता से कम स्तर के काम के लिए मजबूर हो सकते हैं।

इसलिए समस्या केवल यह नहीं है कि युवाओं के पास शिक्षा की कमी है। समस्या यह भी है कि अर्थव्यवस्था में पर्याप्त उत्पादक रोजगार के अवसर पैदा होने चाहिए।

कौशल का अंतर : एक बड़ी समस्या विद्यार्थियों को मिलने वाली शिक्षा और नियोक्ताओं की आवश्यकताओं के बीच का अंतर है।

पारंपरिक शिक्षा में अक्सर परीक्षाओं, याद करने और सैद्धांतिक ज्ञान पर अधिक जोर दिया जाता है। लेकिन कार्यस्थल पर संचार, टीमवर्क, समस्या-समाधान, डिजिटल साक्षरता, रचनात्मकता, अनुकूलन क्षमता, तकनीकी दक्षता और ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में लागू करने की क्षमता की आवश्यकता होती है।

किसी विद्यार्थी के पास उत्कृष्ट शैक्षणिक योग्यता हो सकती है, लेकिन नौकरी के लिए तैयार होने से पहले उसे अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि अकादमिक शिक्षा बेकार है। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा को व्यावहारिक कौशल और वास्तविक जीवन के अनुभवों से अधिक निकटता से जोड़ने की आवश्यकता है।

रोजगार की बदलती दुनिया : तकनीक रोजगार के क्षेत्र को तेजी से बदल रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म और नए व्यावसायिक मॉडल नौकरियों की प्रकृति और आवश्यक कौशलों को बदल रहे हैं।

कुछ पारंपरिक नौकरियां कम हो सकती हैं, जबकि नए प्रकार के व्यवसाय और रोजगार सामने आ सकते हैं। इसलिए शिक्षा व्यवस्था भी स्थिर नहीं रह सकती। युवाओं को अपने पूरे कार्यजीवन में लगातार सीखने के अवसर मिलने चाहिए।

भविष्य का कर्मचारी सीखने, पुरानी बातों को छोड़ने और नई चीजें सीखने के लिए तैयार होना चाहिए। बीस वर्ष की उम्र में हासिल की गई एक योग्यता पूरे करियर के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती।

उद्यमिता भी समाधान का हिस्सा

रोजगार की चर्चा अक्सर केवल नौकरी पाने तक सीमित रहती है। लेकिन एक मजबूत अर्थव्यवस्था को ऐसे लोगों की भी आवश्यकता होती है जो व्यवसाय, सेवाएं और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकें।

उद्यमिता शिक्षा युवाओं को स्थानीय समस्याओं की पहचान करके उनके समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। छोटे व्यवसाय, स्टार्टअप, सामाजिक उद्यम, कृषि आधारित व्यवसाय, डिजिटल सेवाएं और कौशल आधारित व्यवसाय रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

हालांकि, उद्यमिता को बेरोजगारी से बचने का आसान रास्ता नहीं समझना चाहिए। व्यवसाय शुरू करने के लिए कौशल, वित्तीय सहायता, बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, बाजार और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण आवश्यक है।

ग्रामीण रोजगार पर भी ध्यान जरूरी : बेरोजगारी को केवल शहरी शिक्षित युवाओं के दृष्टिकोण से नहीं समझा जा सकता। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार की अपनी चुनौतियां हैं।

बहुत से युवा गांवों को इसलिए छोड़ते हैं क्योंकि उन्हें स्थानीय स्तर पर सीमित अवसर दिखाई देते हैं। इससे शहरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक क्षमता भी प्रभावित होती है।

आधुनिक कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, हस्तशिल्प, डिजिटल सेवाएं और ग्रामीण उद्यम बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और बाजार की सहायता से रोजगार के सार्थक अवसर पैदा कर सकते हैं।

उद्देश्य केवल युवाओं को गांवों से शहरों की ओर ले जाना नहीं होना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में और उनके आसपास ही उत्पादक रोजगार के अवसर पैदा करना भी आवश्यक है।

शिक्षा को अधिक लचीला बनाने की जरूरत

शिक्षा व्यवस्था को विद्यार्थियों को सफलता की एक ही परिभाषा की ओर धकेलने के बजाय विभिन्न करियर मार्गों के लिए तैयार करना चाहिए।

व्यावसायिक शिक्षा, अप्रेंटिसशिप, इंटर्नशिप, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, डिजिटल शिक्षा और उद्योग से जुड़े कार्यक्रमों को अधिक महत्व मिलना चाहिए। विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर भी मिलने चाहिए।

स्कूलों और कॉलेजों में संचार, वित्तीय साक्षरता, टीमवर्क, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता और समस्या-समाधान जैसे कौशल विकसित करने के अवसर मिलने चाहिए।

करियर मार्गदर्शन भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बहुत से विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं को समझने के बजाय सामाजिक दबाव के कारण पाठ्यक्रम चुनते हैं।

सरकार की भूमिका

बेरोजगारी से निपटने में सरकार की केंद्रीय भूमिका है। शिक्षा नीति के साथ आर्थिक और रोजगार नीतियों का होना भी आवश्यक है।

रोजगार सृजन के लिए निवेश, बुनियादी ढांचा, औद्योगिक विकास, उद्यमिता, कृषि, सेवाएं, व्यापार और नवाचार महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत शिक्षा व्यवस्था सक्षम कार्यबल तैयार कर सकती है, लेकिन वह गतिशील अर्थव्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकती। सरकारों को श्रम बाजार से संबंधित विश्वसनीय जानकारी भी एकत्र करनी चाहिए, ताकि शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम बदलती मांग के अनुरूप तैयार किए जा सकें। यदि शिक्षण संस्थान सीमित अवसरों वाले क्षेत्रों में लगातार अधिक स्नातक तैयार करते रहें और उभरते क्षेत्रों में कुशल लोगों की कमी बनी रहे, तो यह असंतुलन जारी रहेगा।

संपादकीय

डिग्री के साथ जरूरी है हुनर, तभी युवाओं को मिलेंगे बेहतर अवसर

आज के दौर में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और हर साल लाखों विद्यार्थी उच्च शिक्षा की डिग्री लेकर रोजगार की तलाश में निकलते हैं। लेकिन बड़ी चुनौती यह है कि डिग्री हासिल करने के बाद भी बड़ी संख्या में युवा अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार नहीं पा रहे हैं। इसका मुख्य कारण केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित रहना और व्यावहारिक कौशल की कमी होना है।

वर्तमान समय में नौकरी देने वाली कंपनियां केवल डिग्री नहीं, बल्कि काम करने की क्षमता, तकनीकी ज्ञान, संवाद कौशल और समस्या समाधान की योग्यता को अधिक महत्व दे रही हैं। यही वजह है कि कई बार अच्छे अंकों से पास होने वाले युवा भी रोजगार की प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाते हैं, जबकि कम औपचारिक शिक्षा लेकिन बेहतर कौशल रखने वाले लोग सफलता हासिल कर लेते हैं।

देश में उच्च शिक्षा का विस्तार जरूर हुआ है, लेकिन शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाने वाली कई चीजें रोजगार की जरूरतों से पूरी तरह मेल नहीं खातीं। विद्यार्थियों को किताबों के ज्ञान के साथ-साथ उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और व्यावहारिक अनुभव देना जरूरी है।

आज डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा विश्लेषण, मशीन संचालन, डिजाइनिंग, मार्केटिंग और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में कुशल युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में युवाओं को अपनी डिग्री के साथ नए कौशल सीखने पर भी ध्यान देना होगा। केवल सरकारी नौकरी की प्रतीक्षा करने के बजाय स्वरोजगार और उद्यमिता के विकल्पों को भी अपनाना होगा।

कौशल विकास योजनाओं ने युवाओं को नई दिशा देने का काम किया है, लेकिन इन योजनाओं को और प्रभावी बनाने की जरूरत है। प्रशिक्षण ऐसा होना चाहिए जिससे युवा वास्तव में रोजगार पाने या अपना व्यवसाय शुरू करने में सक्षम बन सकें। इसके लिए शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

माता-पिता और समाज को भी शिक्षा के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। केवल डिग्री को सफलता का पैमाना मानने के बजाय बच्चों की रुचि और क्षमता के अनुसार कौशल विकसित करने पर जोर देना होगा। हर युवा में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, जरूरत है उसे पहचानने और निखारने की।

आज का समय प्रतिस्पर्धा का है। बदलती तकनीक और रोजगार के नए अवसरों के बीच वही युवा आगे बढ़ पाएगा, जो खुद को लगातार सीखने और बदलने के लिए तैयार रखेगा। डिग्री निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन उसके साथ हुनर का होना भी उतना ही आवश्यक है।

युवाओं को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने की क्षमता विकसित करने का जरिया है। यदि डिग्री के साथ कौशल, अनुभव और आत्मविश्वास जुड़ जाए तो रोजगार की संभावनाएं कई गुना बढ़ सकती हैं। देश की बड़ी युवा आबादी को अवसरों में बदलने के लिए शिक्षा व्यवस्था में कौशल आधारित बदलाव समय की मांग है।

पुस्तकें : समाज का जीवंत आईना

डॉ. विजय गर्ग

पुस्तकें केवल छपे हुए शब्दों का संग्रह नहीं हैं। वे मानव अनुभवों का दस्तावेज़, सामाजिक परिवर्तन का प्रतिबिंब तथा विभिन्न पीढ़ियों के मूल्यों, सपनों और संघर्षों की वाहक हैं। वास्तव में, पुस्तकें समाज का जीवंत आईना हैं। जब हम अलग-अलग कालखंडों की पुस्तकें पढ़ते हैं, तो हम केवल कहानियाँ नहीं पढ़ते, बल्कि उस समय के लोगों, संस्कृतियों, मान्यताओं, संघर्षों और आकांक्षाओं से भी परिचित होते हैं।

साहित्य का समाज से हमेशा गहरा संबंध रहा है। लेखक अपने आसपास की दुनिया का अवलोकन करते हैं और अपने अनुभवों को शब्दों का रूप देते हैं। कोई उपन्यास पारिवारिक संबंधों का चित्रण कर सकता है, कविता सामाजिक पीड़ा को अभिव्यक्त कर सकती है, जीवनी किसी व्यक्ति के संघर्षों को सामने ला सकती है और इतिहास की पुस्तक पूरी सभ्यता की स्मृतियों को सुरक्षित रख सकती है। ये सभी मिलकर मानव जीवन की एक समृद्ध तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

पुस्तकें यह भी बताती हैं कि समाज किस प्रकार बदलता है। एक पीढ़ी की चिंताएँ दूसरी पीढ़ी से बिल्कुल अलग हो सकती हैं। पहले के साहित्य में गाँव का जीवन, संयुक्त परिवार, कृषि, परंपराएँ और सामुदायिक संबंध प्रमुख विषय हुआ करते थे। आधुनिक पुस्तकों में शहरीकरण, तकनीक, बदलते करियर, व्यक्तिगत पहचान, पर्यावरणीय चिंताएँ और डिजिटल जीवन के प्रभाव जैसे विषय तेजी से दिखाई देते हैं। इस प्रकार पुस्तकें सामाजिक परिवर्तन का दस्तावेज़ बन जाती हैं।

पुस्तकों की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक यह है कि वे उन लोगों को आवाज़ देती हैं, जिनके अनुभव अन्यथा अनदेखे रह सकते हैं। लेखकों ने गरीबी, असमानता, भेदभाव, प्रवासन, बाल श्रम, महिलाओं के संघर्ष और वंचित समुदायों के जीवन को शब्द दिए हैं। ऐसा साहित्य पाठकों को उन वास्तविकताओं को समझने में मदद करता है, जिनका उन्होंने स्वयं अनुभव नहीं किया होता। इस प्रकार एक पुस्तक आँकड़ों और रिपोर्टों से आगे बढ़कर हमारे भीतर संवेदना और सहानुभूति पैदा कर सकती है।

पुस्तकें संस्कृति की संरक्षक भी हैं। भाषा, लोक परंपराएँ, त्योहार, रीति-रिवाज, खान-पान, वेशभूषा, संगीत और स्थानीय ज्ञान साहित्य में सुरक्षित रहते हैं। तेजी से बदलती दुनिया में पुस्तकें सांस्कृतिक स्मृतियों को विलुप्त होने से बचा सकती हैं। जब कोई बच्चा पिछली पीढ़ियों की परंपराओं के बारे में पढ़ता है, तो उसे यह समझने का अवसर मिलता है कि हमारा समाज कहाँ से आया है और उसकी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं।

लेकिन पुस्तकें केवल समाज का प्रतिबिंब ही नहीं होतीं, वे समाज को प्रभावित भी करती हैं। अनेक सामाजिक सुधारों के पीछे साहित्य और विचारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रभावशाली लेखन अन्याय को चुनौती दे सकता है, पुरानी और अनुपयोगी मान्यताओं पर प्रश्न उठा सकता है तथा लोगों को नए ढंग से सोचने के लिए प्रेरित कर सकता है। एक विचार लेखक के मन में जन्म लेता है, लेकिन धीरे-धीरे वह सार्वजनिक चर्चा और सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकता है।

युवाओं के लिए पुस्तकों का महत्व विशेष रूप से अधिक है। पढ़ने से विद्यार्थियों को अलग-अलग व्यक्तित्वों, संस्कृतियों और विचारों को समझने का अवसर मिलता है। इससे कल्पनाशक्ति विकसित होती है और वे अपने सीमित परिवेश से बाहर की दुनिया को समझ पाते हैं। अच्छी पुस्तक बिना किसी औपचारिक उपदेश के करुणा, साहस, ईमानदारी, जिम्मेदारी और सम्मान जैसे मूल्यों को विकसित कर सकती है।

आज के डिजिटल युग में पुस्तकों और समाज के बीच संबंध एक नए दौर से गुजर रहा है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, वीडियो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने सूचना प्राप्त करने के हमारे तरीके को बदल दिया है। छोटे और त्वरित डिजिटल कंटेंट से तुरंत जानकारी मिल सकती है, लेकिन पुस्तकें कुछ अलग

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

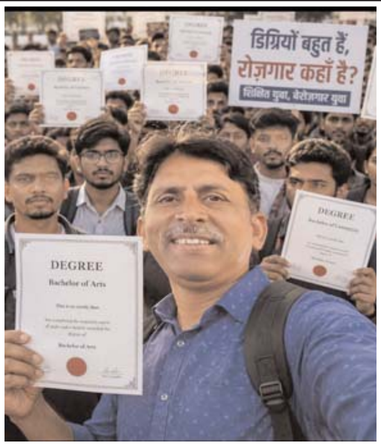

डिग्रिधारी युवाओं की भीड़...!

युवाओं के कंधों पे डिग्रियाँ, आँखों में सपने,
हाथों में प्रमाण-पत्र, फिर भी खाली अपने!
यूं किसी ने किताबों में अपना बचपन खोया,
किसी ने फीस के लिए घर का सपना रोया।
पढ़ते रहे वर्षों तक, नौकरियों की आस लिए,
हर सुबह निकल पड़े एक नए विश्वास लिए।
प्रतियोगिता की कतार, परीक्षा का इंतज़ार,
परिणाम की बेचैनी, उमर निकलने का भार।
युवक देश की ताकत फिर इतनी बेबस क्यों?
हाथों में हुनर, 卐रोजगार卐 की राहें बेबस क्यों?
कुछ पढ़ाई से दूर हुए और रोजगार से दूर हुए,
ये दोनों के बीच अपने भविष्य से मजबूर हुए।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

सनबीम स्कूल अन्नपूर्णा के विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में दिखाई प्रतिभा

वाराणसी, जीएनएस। सनबीम स्कूल अन्नपूर्णा में अभिभावक-शिक्षक बैठक (सीपीटीडी)के अवसर पर कक्षा छह से आठ के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया 7 प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय की निदेशिका अमृता बर्मन,अध्यक्ष दीपक मधोक एवं उपाध्यक्ष भारती मधोक द्वारा किया गया 7 विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता जायसवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं तकनीक के विविध क्षेत्रों से जुड़े अभिनव और उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए 7 विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को इन परियोजनाओं में स्पष्ट रूप से देखा गया 7 प्रदर्शनी में लेजर हाउस सिक्योरिटी के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था,ड्रोन के माध्यम से आधुनिक तकनीक,ऑब्स्टेकल अवॉइडिंग कार द्वारा स्वचालित वाहन तकनीक तथा ऑब्जेक्ट फॉलोइंग कार एवं लाइन फॉलोइंग कार के माध्यम से सेंसर आधारित रोबोटिक्स को प्रदर्शित किया गया । पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण से जुड़े विषयों में विद्यार्थियों ने ई20 पेट्रोल, बायोप्लास्टिक,महासागरीय अम्लीकरण में कमी (व्मबमद व म बपक पपिब जपवद), पीजोइलेक्ट्रिक जनरेटर तथा स्पीड ब्रेकर से विद्युत उत्पादन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने मॉडल प्रस्तुत किए वहीं टोल गेट और स्मार्ट डस्टबिन जैसे मॉडलों के माध्यम से स्मार्ट तकनीक और दैनिक जीवन की समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत किए गए 7 इमोशन डिटेक्टर एवं लाइफस्टाइल क्विज ने तकनीक के माध्यम से भावनाओं एवं जीवनशैली को समझने की दिशा में विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता को दर्शाया।

शास्त्रीय संगीत के 81 रागों पर आधारित इंजीनियर श्री कृष्ण फड़के की काफी टेबल बुक

भोपाल, जीएनएस। अमृतवर्षिणी राग माला दृश्यम' − रागों की रंगत में बानगी ÷ का विमोचन 22 अगस्त को विध्यानगर नर्मदापुरम रोड भोपाल में एक निजी होटल में इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार अनिल धड़वईवाले एवं भोपाल के जाने माने व्यंग्यकार तथा समीक्षक यशवंत गोरे की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ।

पुस्तक में शास्त्रीय संगीत के रागों आरोह-अवरोह, वादी-संवादी, राग की प्रकृति, गायन-समय और रसोत्पत्ति जैसी महत्वपूर्ण और वस्तुनिष्ठ जानकारियां भी दर्ज की गई हैं।श्रीमती नीलिमा चौहान

युवा चित्रकार ने राग माला पेंटिंग्स को आधार बनाते हुए और रागों की सटीक विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए राजपूत शैली में आकर्षक चित्र तैयार किए गए हैं।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों के साथ फड़के जी के परिजन उपस्थित रहे। संगीत गुरु पं. बलवंत पुराणिक, सेवानिवृत्त आईएएस वीणा घाणेकर, साहित्यकार हेमंत मुक्तिबोध की उपस्थिती उल्लेखनीय रही ।

भक्ति धाम वैलफेयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट(रजि.) का अष्ट दिवसीय नवम् स्थापना दिवस समारोह 03 सितम्बर से

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। रुक्मणि विहार, सैक्टर-1 स्थित भक्ति धाम में भक्ति धाम वैलफेयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, पटियाला/वृन्दावन का अष्ट दिवसीय नवम् स्थापना दिवस समारोह विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य 03 से 10 सितम्बर 2026 पर्यन्त अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया है।

समारोह के समन्वयक ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत 03 से 09 सितम्बर प्रख्यात भागवताचार्य श्रीनिवास दास शास्त्री महाराज (वृन्दावन) अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा देश-विदेश से आए समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को अपराह्न 04 बजे से रात्रि 08 बजे तक श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा का रसास्वादन करायेंगे।इसके अलावा 09 सितम्बर को प्रातः 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक प्रमुख समाजसेवी राम शरण गुप्ता के द्वारा अपने पिता स्वर्गीय बालकृष्ण गुप्ता की स्मृति में निःशुल्क दिव्यांग सेवा शिविर लगाया जाएगा।जिसमें भक्ति धाम वैलफेयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, पटियाला/वृन्दावन के तत्वावधान में जरूरतमंद दिव्यांगों को कृत्रिम अंग, बैसाखी, वॉकर, व्हीलचेयर आदि सहायक उपकरणों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 10 सितम्बर को प्रातः 09 बजे से हवन व पूर्णाहुति एवं सन्त, ब्रजवासी वैष्णव सेवा (वृहद भंडारे) के साथ महोत्सव का समापन होगा।

भक्ति धाम वैलफेयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष के. एल. बंसल, उपाध्यक्ष नरेश गोयल, मुख्य सलाहकार डॉ. आर. के. गर्ग एवं महामंत्री संदीप कुमार सिंगला आदि ने सभी से इस समारोह में शामिल होने का आग्रह किया है।

कैट की नवीन कार्यकारिणी घोषित

गुना, जीएनएस। देश की सबसे बड़ी व्यापारिक संस्था कनफ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ÷कैट÷ की जिला कार्यकारिणी की घोषणा आज कैट के प्रदेश सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा की गई ।

कैट के संभागीय अध्यक्ष रवि गुप्ता , महामंत्री मुकेश जैन संस्थापक अध्यक्ष रविंद्र जैन एवं कोर्डीनेटर अभिजीत गोयल से विचार विमर्श उपरांत प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन की सहमति से जिला कार्यकारिणी की घोषणा हुई ।

नवीन कार्यकारिणी में ज़िलाध्यक्ष प्रवीण सोमानी , वरिष्ठ उपाध्यक्ष सी.पी. रघुवंशी , उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार नीखरा , सचिव आनंद सड़ाना ,

कोषाध्यक्ष प्रदीप मित्तल सहसचिव अनुपम तिवारी संगठन सचिव सिद्धार्थ अग्रवाल एवं रीतेश अग्रवाल को मनोनीत किया गया है , वहीं मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन टिंकल एवं सोशल मीडिया प्रभारी सुशील नामदेव को बनाया गया ।

शेष कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा एवं पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह भी शीघ्र ही आयोजित किया जायेगा ।

ज्ञात रहे कि व्यापारिक संगठन कैट से देशभर में नौ करोड़ से अधिक व्यापारी एवं चालीस हजार से अधिक व्यापारिक संगठन जुड़े हुए हैं ।

व्यापारिक समस्याओं को देश के शीर्ष नेतृत्व तक पहुँचाने में कैट का अहम योगदान होता है ।

हाल ही में कैट द्वारा भव्य एवं विशाल ÷भारतीय व्यापार महोत्सव÷ का आयोजन 12 से 15 अगस्त भारत मंडपम दिल्ली में संपन्न हुआ है जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराना है । यह देश का सबसे बड़ा बहु - क्षेत्रीय व्यापार एक्सपो सिद्ध हुआ है ।

रोटरी क्लब काशी और एयरपोर्ट अथॉरिटी ने मिलकर रोपे पौधे,हरियाली एवं स्वच्छ पर्यावरण के लिए पौधारोपण का दिया संदेश

वाराणसी, जीएनएस। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रोटरी क्लब काशी एवं एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया 7 कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयरपोर्ट निदेशक पुनीत गुप्ता,सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट संजीव सिंह रौतेला, अकासा एयर के राहुल सिंह एवं मुकुल कुमार भारद्वाज रहे। कार्यक्रम में रोटरी क्लब काशी के वरिष्ठ रोटेरियन पीडीजी संजय अग्रवाल,पूनम अग्रवाल,अध्यक्ष राजन जायसवाल,सचिव सुभाष सिंह,संयोजक माजिद खान सहित रोटेरियन आर .एस. जायसवाल,श्याम जी रस्तोगी,आशुतोष चौबे,अजय खरे,डॉ. राजीव दूबे,दीपक गुप्ता,आर.के.गाबा, सुधीर जरीवाला,सुयश पाठक एवं अन्य रोटेरियंस उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी रोटेरियंस ने अपने- अपने नाम से एक-एक पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं धरती को हरा- भरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का माल्यार्पण कर दुपट्टा एवं शॉल पहनाकर तथा स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया 7 कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण के माध्यम से हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संदेश देना रहा।

फिरोजाबाद में शिक्षा पर पानी फिरा - नंदपुर ललौआ में स्कूल एक महीने से बंद

फिरोजाबाद, जीएनएस। शिकोहाबाद तहसील के गांव नंदपुर ललऊआ में हालात बद से बदतर हैं। गली-गली में कमर-कमर तक पानी भरा है और इसी पानी की वजह से गांव का प्राथमिक विद्यालय पिछले एक महीने से बंद पड़ा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा दे रहे हों, लेकिन इस गांव में बच्चों का भविष्य पानी में डूब रहा है। जब ग्रामीणों ने बताया कि बच्चे किसी मकान में कमरे में अध्यापक पढ़ाते हैं मगर इच्छा अनुसार अध्यापक आते भी है नहीं आते जब गलियों में से ग्रामीणों का निकलना दुबर हो गया है तो अध्यापक जूता मौजा पहन कर कैसे आते होंगे यह तो देखने वाला सवाल होगा तस्वीरें फिरोजाबाद के नंदपुर ललऊआ गांव की हैं। जहां देखो वहां जलभराव। गलियों में त्राहि-त्राहि मची है। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है।

जब हमारी मीडिया की टीम ने गांव के प्राथमिक विद्यालय की पड़ताल की तो स्कूल पर ताला लटका मिला। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक महीने से स्कूल बंद है। बच्चे पढ़ने नहीं जा पा रहे हैं। गंदे पानी से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि मौजूदा ग्राम प्रधान ने पैसे बांटकर वोट लिए थे, लेकिन अब गांव की सुध लेने वाला कोई नहीं है। शिकायत के बाद भी प्रधान ने किसी उच्च अधिकारी से बात तक नहीं की। एक महीना हो गया स्कूल बंद है, बच्चे घर बैठे हैं, कोई सुनने वाला नहीं है। वहीं जब इस मामले पर जिला प्रशासन से बात की गई तो अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही पानी की निकासी कराई जाएगी और जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी। सवाल यही है कि आखिर कब तक इस गांव के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता रहेगा? गलियों में भरा पानी कब निकलेगा? शासन-प्रशासन मौन है और गांव पानी में डूबा है। अब देखना होगा कि खबर दिखाए जाने के बाद प्रशासन जागता है या नहीं।

शिक्षक दिवस पर जैन शिक्षाविदों एवं जैन शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान करेगी श्री वीर शिक्षा समिति

ग्वालियर, जीएनएस। अखिल जैन समाज ग्वालियर की प्रतिष्ठित संस्था श्री वीर शिक्षा समिति ग्वालियर (जैन छात्रावास कमेटी) द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को सायं 7 बजे जैन छात्रावास में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र जैन एडवोकेट एवं मंत्री डॉ. मुकेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में कार्यरत तथा सेवा निवृत्त शिक्षक दिवस के अवसर पर जैन समाज ग्रेटर ग्वालियर के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षा क्षेत्र से जुड़े शिक्षाविदों का सम्मान करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी महानुभावों की जानकारी एवं उपलब्धियां समारोह की तैयारियों के लिए आवश्यक हैं। अतः सभी संबंधित महानुभाव अपनी जानकारी एवं शैक्षणिक उपलब्धियां एक सादे कागज पर लिखकर 31 अगस्त तक जैन छात्रावास कार्यालय में जमा करवाएं। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर 9425337785 पर सम्पर्क कर सकते हैं! अपना बायोडाटा कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक जैन छात्रावास कार्यालय में जमा कराया जा सकता है। समिति ने शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी महानुभावों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया है, ताकि सम्मान समारोह की तैयारियां सुचारु रूप से की जा सकें।

खाद्य फसलों से ईंधन बनाने की नीति पर उठ रहे सवाल, त्योहारी सीजन में महंगी चीनी की मार बढ़ने की आशंका

एथेनॉल पेट्रोल ने बढ़ाया चीनी का संकट

प्रमोद भार्गव

भारतीय बाजार में गन्ने से एथनॉल बनाने की नीति अब एक नई चुनौती के रूप में सामने आ रही है। एथनॉल उत्पादन बढ़ने से जहां गन्ने की उपलब्धता का एक हिस्सा चीनी उत्पादन से हटकर ईंधन बनाने में जा रहा है, वहीं घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों पर भी दबाव बढ़ा है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि देश को चीनी का आयात करने की जरूरत पड़ रही है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि भारत लंबे समय से चीनी उत्पादन में आत्मनिर्भर रहा है और आवश्यकता से अधिक उत्पादन होने पर निर्यात के रास्ते तलाशता रहा है।

चीनी के उत्पादन और उपलब्धता में कमी का असर सीधे आम उपभोक्ता पर पड़ता है। बीते कुछ समय में चीनी की कीमतों में तेज वृद्धि देखने को मिली है। आने वाले त्योहारी मौसम में इसकी मांग और बढ़ने वाली है। रक्षाबंधन, गणेश महोत्सव, जन्माष्टमी के बाद नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों में मिठाइयों, प्रसाद और अन्य खाद्य पदार्थों में चीनी की खपत बढ़ जाती है। ऐसे में यदि बाजार में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध नहीं रहा तो कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है।

चीनी उत्पादन घटने की वजह क्या है? : सरकार का तर्क है कि चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण एथनॉल उत्पादन नहीं, बल्कि प्रतिकूल मौसम के कारण गन्ने के उत्पादन में आई कमी है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतों में वृद्धि को भी सरकार एक कारण मान रही है। यह तर्क अपने स्थान पर हो सकता है, लेकिन इस पूरे परिदृश्य में गन्ने के उपयोग का बदलता स्वरूप भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

गन्ना चीनी के साथ-साथ एथनॉल उत्पादन का भी प्रमुख कच्चा माल है। जब गन्ने और उसके रस से एथनॉल बनाने की मात्रा बढ़ती है तो स्वाभाविक रूप से चीनी उत्पादन के लिए उपलब्ध कच्चे माल पर असर पड़ता है। इसलिए एथनॉल नीति और चीनी बाजार के बीच संबंध को पूरी तरह नकारना उचित नहीं होगा।

ई-20 के विस्तार ने बढ़ाई बहस : भारत ने पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण बढ़ाने की नीति को पर्यावरण और ऊर्जा सुरक्षा के नजरिए से आगे बढ़ाया है। एथनॉल को नवीकरणीय ईंधन माना जाता है और इसका इस्तेमाल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने तथा पेट्रोलियम आयात का खर्च कम करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

लेकिन सवाल यह है कि जब एथनॉल के लिए गन्ने और अनाज जैसी कृषि उपज का इस्तेमाल बढ़ेगा, तब खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और कीमतों पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा? यही वह बिंदु है जहां सरकार की ऊर्जा नीति और खाद्य सुरक्षा के बीच संतुलन की जरूरत महसूस होती है।

देश में ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। उद्योग जगत अब इससे भी अधिक एथनॉल मिश्रण की मांग कर रहा है। दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञ और उपभोक्ता इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि मौजूदा वाहनों के लिए अधिक एथनॉल मिश्रण कितना उपयुक्त है। यदि ईंधन नीति को तेजी से आगे बढ़ाया जाता है तो वाहन उद्योग, उपभोक्ताओं, कृषि क्षेत्र और खाद्य बाजार पर उसके प्रभाव का समग्र मूल्यांकन भी जरूरी है।

एथेनॉल क्षमता में तेजी से हुआ विस्तार : भारत में पिछले एक दशक के दौरान एथनॉल उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2014 के आसपास देश में एथनॉल उत्पादन क्षमता करीब

421 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष बताई जाती थी। अब यह कई गुना बढ़ चुकी है और आने वाले समय में इसके और विस्तार की संभावना जताई जा रही है।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष के अंत तक देश की एथनॉल उत्पादन क्षमता में लगभग 400 करोड़ लीटर की और वृद्धि हो सकती है। इससे कुल क्षमता करीब 2,400 करोड़ लीटर तक पहुंचने का अनुमान है। पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण के अलावा उद्योग, फार्मा और रसायन क्षेत्र में भी एथनॉल की मांग बनी हुई है।

एथेनॉल उद्योग में हो रहे बड़े निवेश ने सरकार के सामने एक दूसरी चुनौती भी खड़ी कर दी है। इस क्षेत्र में निजी कंपनियों ने बड़े पैमाने पर निवेश किया है और बैंकों का भी भारी ऋण लगा हुआ है। ऐसे में यदि पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण अचानक घटाया जाता है तो एथनॉल संयंत्रों की आर्थिक व्यवहार्यता प्रभावित हो सकती है। इसलिए सरकार के सामने ऊर्जा नीति, निवेश और खाद्य सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है।

खाद्य अनाज से ईंधन बनाने पर सवाल : एथनॉल को पर्यावरण के अनुकूल और नवीकरणीय ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। दुनिया के कई देश पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने के लिए जैव ईंधन को बढ़ावा दे रहे हैं। कृषि अवशेष और बायोमास से एथनॉल तैयार करना अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प हो सकता है, क्योंकि इससे सीधे खाद्य आपूर्ति पर दबाव कम पड़ता है।

समस्या तब गंभीर होती है, जब खाद्य उपयोग में आने वाले अनाज, गन्ने या अन्य कृषि उपज का बड़ा हिस्सा ईंधन निर्माण में इस्तेमाल होने लगे। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में यह नीति खाद्य सुरक्षा के सवाल से जुड़ जाती है। अनाज, फल और सब्जियां मनुष्य की बुनियादी जरूरत हैं। इनके उपयोग को ईंधन बाजार की मांग के साथ जोड़ने से खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अस्थिरता का जोखिम बढ़ सकता है।

ऊर्जा सुरक्षा के साथ खाद्य सुरक्षा भी जरूरी : भारत को पेट्रोलियम आयात पर बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है। इसलिए घरेलू स्तर पर वैकल्पिक ईंधन विकसित करने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। एथनॉल इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लेकिन ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने की कोशिश में खाद्य सुरक्षा कमजोर नहीं पड़नी चाहिए।

नीति का मूल सवाल यह होना चाहिए कि एथनॉल उत्पादन के लिए ऐसी कृषि उपज का कितना इस्तेमाल किया जाए, जिससे आम लोगों के भोजन की उपलब्धता और कीमत प्रभावित न हो। इसके लिए गन्ने के अलावा कृषि अवशेष, बायोमास और अन्य गैर-खाद्य स्रोतों से एथनॉल उत्पादन को अधिक प्रोत्साहित किया जा सकता है।

किसानों के लिए भी जरूरी है संतुलित नीति : एथनॉल नीति का एक सकारात्मक पहलू यह है कि इससे गन्ना उत्पादकों को अतिरिक्त बाजार मिल सकता है। चीनी मिलों को भी चीनी के साथ एथनॉल उत्पादन से आय का दूसरा स्रोत मिलता है। लेकिन यदि एथनॉल की मांग इतनी तेजी से बढ़ती है कि कृषि उत्पादन का बड़ा हिस्सा खाद्य उपयोग से हटने लगे, तो इसका लाभ सीमित वर्ग तक रह सकता है और उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ बढ़ सकता है।

इसलिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि एथनॉल नीति का लाभ किसानों तक पहुंचे, लेकिन उसके कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अनावश्यक वृद्धि न हो। गन्ने की उपलब्धता, चीनी का उत्पादन, एथनॉल की जरूरत और घरेलू खाद्य मांग का वैज्ञानिक आकलन करके ही लक्ष्य निर्धारित किए जाने चाहिए।

2030 की खाद्य मांग को लेकर चिंता : खाद्य और ईंधन के बीच बढ़ते टकराव को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता व्यक्त की जाती रही है। ऑक्सफेम सहित कई संस्थाएं खाद्य फसलों के औद्योगिक इस्तेमाल से खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चेतावनी देती रही हैं। आशंका जताई जाती है कि यदि खाद्यान्न का बड़ा हिस्सा ईंधन और औद्योगिक जरूरतों में इस्तेमाल होने लगा तो आने वाले वर्षों में खाद्य मांग और कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

भारत के संदर्भ में यह चिंता इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां बड़ी आबादी आज भी सीमित आय में भोजन की जरूरत पूरी करती है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में मामूली वृद्धि भी गरीब परिवारों के बजट को प्रभावित करती है।

विकास का रास्ता भूख से होकर नहीं जाना चाहिए : वाहनों की संख्या बढ़ाना, पेट्रोल की खपत बढ़ाना और उसके लिए एथनॉल उत्पादन का विस्तार करना विकास की तस्वीर का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन विकास का मूल्यांकन केवल औद्योगिक उत्पादन और ऊर्जा उपलब्धता से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि उस विकास का असर आम आदमी की थाली पर क्या पड़ रहा है।

एथनॉल को पूरी तरह खारिज करना समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि उसके उत्पादन के लिए खाद्य और गैर-खाद्य संसाधनों के बीच स्पष्ट प्राथमिकता तय हो। कृषि अवशेष, जैविक कचरे और बायोमास जैसे विकल्पों को बढ़ावा देकर खाद्य फसलों पर निर्भरता घटाई जा सकती है।

भारत को ऐसी ऊर्जा नीति की जरूरत है, जो पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करे, किसानों को बेहतर बाजार दे, पर्यावरण संरक्षण में मदद करे और साथ ही आम आदमी की थाली को महंगाई से बचाए। यदि ऊर्जा की जरूरत पूरी करने के लिए खाद्य सुरक्षा को नजरअंदाज किया गया तो भविष्य में चीनी से लेकर अनाज तक की महंगाई बड़ी चुनौती बन सकती है।

इसलिए एथनॉल नीति का अगला चरण केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। सरकार को यह भी तय करना होगा कि ईंधन का विकल्प तलाशते हुए भोजन का विकल्प संकट में न पड़े। ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बीच संतुलन ही दीर्घकालिक और समावेशी विकास का आधार बन सकता है।

फिरनी- मेल-जोल, संस्कृति और सादगी की राह

डॉ. विजय गर्ग

गाँव में कुछ स्थान ऐसे होते हैं जो केवल भौतिक स्थान नहीं होते। वे यादों को सँजोते हैं, पीढ़ियों को जोड़ते हैं और चुपचाप गाँव के सामुदायिक जीवन की पहचान को जीवित रखते हैं। पारंपरिक पंजाबी गाँव के बाहरी घेरे के चारों ओर बनी फिरनी भी ऐसी ही एक जगह है। यह केवल गाँव की सीमा के चारों ओर बना रास्ता नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन, आपसी मेल-जोल, सांस्कृतिक परंपराओं और सादगी का जीवंत प्रतीक है।

पारंपरिक गाँव में फिरनी का विशेष महत्व होता था। घरों, खेतों, तालाबों, पेड़ों और सामुदायिक स्थानों को यह एक-दूसरे से जोड़ती थी। लोग इस रास्ते से आते-जाते थे, बच्चे इसके आसपास खेलते थे, किसान खेतों की ओर जाते और लौटते थे, बुजुर्ग बैठकर बातचीत करते थे और बाहर से आने वाले लोग अक्सर इसी रास्ते से गाँव में प्रवेश करते थे। समय के साथ रोजमर्रा के अनगिनत छोटे-छोटे पलों ने इस रास्ते को सामूहिक स्मृतियों का भंडार बना दिया।

सिर्फ एक रास्ता नहीं : आधुनिक विकास में किसी सड़क का मूल्य प्रायः उसकी चौड़ाई, मजबूती और यातायात की क्षमता से आँका जाता है। लेकिन पारंपरिक फिरनी को केवल इन मापदंडों से नहीं समझा जा सकता। इसका वास्तविक महत्व उसके आसपास विकसित होने वाले सामाजिक जीवन में है।

फिरनी एक ऐसी जगह थी जहाँ लोग स्वाभाविक रूप से एक-दूसरे से मिलते थे। खेतों से लौटता किसान पड़ोसी से दो बातें कर लेता था। बुजुर्ग किसी पेड़ की छाया में बैठकर गाँव की समस्याओं पर चर्चा करते थे। बच्चे रास्ते पर दौड़ते, साथ खेलते और खेल-खेल में दोस्ती, सहयोग और सामुदायिक जीवन के अनौपचारिक नियम सीखते थे।

इस अर्थ में फिरनी बिना किसी औपचारिक भवन के एक सामाजिक संस्था थी। यह लोगों को केवल इसलिए जोड़ती थी क्योंकि यह उनके दैनिक जीवन का हिस्सा थी।

सामुदायिक जीवन का प्रतीक : पारंपरिक गाँव की नींव ही सामुदायिक भावना पर टिकी होती थी। लोग एक-दूसरे को जानते थे, एक-दूसरे के सुख-दुःख में शामिल होते थे और महत्वपूर्ण अवसरों पर मिलकर काम करते थे। फिरनी उन स्थानों में से एक थी जहाँ यह सामूहिक भावना स्पष्ट दिखाई देती थी।

विवाह, मेले, त्योहार और अन्य उत्सवों के अवसर पर फिरनी चहल-पहल से भर जाती थी। कठिन समय में भी लोग इसी रास्ते से किसी जरूरतमंद परिवार की सहायता के लिए पहुँचते थे। एक घर की खबर दूसरे घर तक मोबाइल नोटिफिकेशन या सोशल मीडिया के माध्यम से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत बातचीत के जरिए पहुँचती थी।

इसलिए फिरनी आधुनिक जीवन में तेजी से कम होती जा रही एक अत्यंत मूल्यवान चीज का प्रतीक थी—डिजिटल स्क्रीन के बिना मानवीय संपर्क।

फिरनी और पंजाबी संस्कृति : पंजाब की ग्रामीण संस्कृति परंपरागत रूप से गर्मजोशी, मेहमाननवाजी, मेहनत और आपसी सहयोग से जुड़ी रही है। फिरनी इसी सांस्कृतिक वातावरण का अभिन्न हिस्सा थी।

गाँव में प्रवेश करने वाला व्यक्ति घरों तक पहुँचने से पहले गाँव के प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश से परिचित होता था—पेड़, खेत, पशु, तालाब, कच्ची-पक्की दीवारें, घर और अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त लोग। फिरनी गाँव से परिचय कराने वाले एक सांस्कृतिक द्वार की तरह थी।

इन स्थानों पर पारंपरिक अभिवादन, बातचीत, लोककथाएँ और स्थानीय भाषा के शब्द साझा किए जाते थे। युवा पीढ़ी बुजुर्गों को देखकर और उनके साथ समय बिताकर सांस्कृतिक मूल्यों को सीखती थी। इस प्रकार फिरनी एक अनौपचारिक पाठशाला भी थी।

यादों की एक जगह : जिन लोगों ने अपना बचपन गाँव में बिताया है, उनके लिए फिरनी बचपन की स्मृतियों से गहराई से जुड़ी होती है। यह स्कूल जाने, दोस्तों के साथ साइकिल चलाने, खेतों से लौटने, रिश्तेदारों के घर जाने या शाम तक बाहर खेलने की याद दिला सकती है। बुजुर्ग पीढ़ी को गर्मियों की वे शामें याद हो सकती हैं, जब लोग घरों के बाहर बैठकर पड़ोसियों से बातचीत करते थे और गाँव के जीवन को अपनी आँखों के सामने घटित होते देखते थे।

ये स्मृतियाँ बताती हैं कि किसी स्थान का मूल्य केवल उसकी संरचना में नहीं होता; मानवीय अनुभव उसे भावनात्मक महत्व प्रदान करते हैं। आधुनिक सड़क हमें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाती है, लेकिन फिरनी हमें याद दिलाती है कि हम कहाँ से आए हैं।

गाँव का जीवन भी समय के साथ बदल रहा है। कई पुराने घरों की जगह पक्की इमारतों ने ले ली है। मोटरसाइकिलों, कारों और ट्रैक्टरों ने आवागमन का स्वरूप बदल दिया है। मोबाइल फोन ने संचार के तरीके बदल दिए हैं। टेलीविजन और इंटरनेट ने बाहरी दुनिया को लगभग हर घर तक पहुँचा दिया है।

अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों के लिए होगा मतदान, शाम 7 बजे से मतगणना और परिणाम की घोषणा

श्री गहोई वैश्य समाज बृहत्तर के निर्वाचन 20 सितंबर को

ग्वालियर जीएनएस

श्री गहोई वैश्य समाज बृहत्तर (रजि.) ग्वालियर के वर्ष 2026-29 के विभिन्न पदों एवं संबंधित पंचायतों के कार्यकारिणी सदस्यों के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजीव बेहरे एवं सहायक निर्वाचन अधिकारियों की देखरेख में निर्वाचन कराया जाएगा। मतदान 20 सितंबर 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के दो घंटे बाद शाम 7 बजे से मतगणना शुरू कर अंतिम परिणाम घोषित किए जाएंगे।

अध्यक्ष सहित इन पदों पर होगा निर्वाचन : निर्वाचन में अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री, उपमंत्री, संगठन मंत्री एवं प्रचार मंत्री सहित संबंधित पंचायतों के कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव होगा। निर्वाचन संबंधी कार्यालय राष्ट्रकवि डॉ. मैथिलीशरण गुप्त पुस्तकालय एवं शोध संस्थान, महाराज बाड़ा, ग्वालियर में कार्यालयीन समय शाम 6 से 8 बजे तक संचालित रहेगा।

यह रहेगा निर्वाचन कार्यक्रम : मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजीव बेहरे ने बताया

कि सदस्यता सूची का प्रकाशन 4 अगस्त को किया गया। सदस्यता सूची के संबंध में दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त रही। संशोधित मतदाता सूची का प्रकाशन 21 अगस्त को किया गया। पुनः दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त शाम 8 बजे तक निर्धारित की गई थी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 25 अगस्त को किया जाएगा। नामांकन फार्म प्राप्त करने की प्रक्रिया 26 से 30 अगस्त तक चलेगी। 28 अगस्त को रक्षाबंधन के कारण कार्यालय बंद रहेगा। नामांकन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 अगस्त निर्धारित है। नामांकन पत्रों की जांच के बाद वैध प्रत्याशियों की सूची 1 सितंबर को प्रकाशित होगी। दावा-आपत्ति एवं नाम वापसी की अंतिम तिथि 3 सितंबर रात 8 बजे तक रहेगी। निर्वाचन में भाग लेने वाले प्रत्याशियों की अंतिम सूची 5 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

20 सितंबर को होगा मतदान : निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 20 सितंबर रविवार को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्त होने के दो घंटे बाद शाम 7 बजे से मतगणना शुरू की जाएगी। इसके बाद अंतिम परिणाम घोषित किए जाएंगे।

निर्वाचन टीम में ये संभालेंगे जिम्मेदारी : निर्वाचन प्रक्रिया में सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में राकेश खरया, सौरभ अमर, भरत निवास कुरेले एवं पवन नीखरा सहयोग करेंगे। प्रबंधक समिति में सियाराम निगोती, कार्यालय प्रभारी परमेश्वर दास नीखरा तथा मीडिया प्रभारी वरुण कस्तवार सहित अन्य सदस्य निर्वाचन प्रक्रिया को संपन्न कराने में सहयोग करेंगे।

पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का दिया संदेश

रोटरी क्लब ग्वालियर सेंट्रल ने किया वृक्षारोपण, 50 से अधिक पौधे लगाए

ग्वालियर जीएनएस

रोटरी क्लब ग्वालियर सेंट्रल द्वारा रविवार को ताल वाले हनुमान जी मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 9 बजे हुए कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने 50 से अधिक पौधे रोपे। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

पौधों की देखभाल भी जरूरी : कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर पवन दीक्षित रहे। रोटरी क्लब सेंट्रल के इलेक्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रदीप पाराशर एवं असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजेंद्र मल्होत्रा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों की देखभाल और स्वच्छता के महत्व पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी

नियमित देखभाल और संरक्षण करना भी प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

रोटेरियन सदस्यों ने उत्साह से लिया हिस्सा : कार्यक्रम में रोटरी क्लब ग्वालियर सेंट्रल के अध्यक्ष केके अग्रवाल, सचिव संजय सपरा, कोषाध्यक्ष मनोज गुप्ता, संयुक्त सचिव राजेंद्र कोरव, कार्यक्रम फैसिलिटेटर एवं प्रशिक्षक विद्याभूषण त्यागी, कार्यक्रम समन्वयक विवेक मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष अतुल खंडेलवाल, अनिल गर्ग, नरेंद्र रोहिरा, श्याम अग्रवाल, तपेश मिश्रा, कपिल जैन, वीरेन जैन सहित अनेक रोटेरियन सदस्य उपस्थित रहे।

महिला सदस्यों में गीता अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, सुनीता खंडेलवाल एवं सोनिया सपरा सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहीं। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण में सहभागिता की।

कार्यक्रम में सदस्यों के सहयोग, समय और सेवा भावना से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रोटरी क्लब ग्वालियर सेंट्रल ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

आगामी सेवा परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार

लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन इंटरनेशनल की बोर्ड मीटिंग संपन्न

ग्वालियर जीएनएस

लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन इंटरनेशनल की वर्ष 2026-27 की बोर्ड मीटिंग एक होटल में आयोजित की गई। बैठक में क्लब की आगामी गतिविधियों, सेवा परियोजनाओं एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

रक्षाबंधन और शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी : बैठक में रक्षाबंधन उत्सव, शपथ ग्रहण समारोह सहित विभिन्न सेवा कार्यों एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर चर्चा हुई। सदस्यों ने सेवा गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने और समाज के जरूरतमंद वर्ग तक क्लब की सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया।

बैठक में क्लब मेंटर लायन राका पाठक, आरसी लायन नीरज जैन, अध्यक्ष लायन नीतू अग्रवाल, आईपीपी लायन संगीता तिवारी, लायन पूनम अग्रवाल, सचिव

लायन लता उपाध्याय, कोषाध्यक्ष लायन स्वाति अग्रवाल, संयुक्त सचिव लायन ज्योति बंसल, लायन कामिनी गोयल, लायन पूजा अग्रवाल, लायन छाया कोठारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर होगा शिक्षकों का सम्मान : बैठक में निर्णय लिया गया कि 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा एक विशेष ईपीएस (डेवलपमेंट, पर्सनैलिटी एंड स्किल्स) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी सहमति बनी। इसमें राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक शामिल होकर सदस्यों को नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास एवं कौशल संवर्धन से संबंधित प्रशिक्षण देंगे।

सेवा कार्यों को प्रभावी बनाने पर जोर : क्लब अध्यक्ष लायन नीतू अग्रवाल ने सदस्यों से आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्लब के सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाकर सामाजिक उत्थान की दिशा में निरंतर कार्य किया जाएगा।

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। अंत में सभी सदस्यों ने क्लब के सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

गीत-संगीत, कविता, शायरी और मनोरंजक खेलों ने बांधा समां

किट्टी पार्टी ग्रुप का सावन उत्सव 'रिमझिम-रिमझिम' धूमधाम से संपन्न

ग्वालियर जीएनएस

किट्टी पार्टी ग्रुप द्वारा सावन के पावन अवसर पर शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में 'रिमझिम-रिमझिम' शीर्षक से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गीत-संगीत, कविता, शायरी और मनोरंजक खेलों का अनूठा संगम देखने को मिला। ग्रुप के सदस्यों ने सावन की फुहारों के बीच गीतों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया और जमकर मस्ती की।

कविता और शायरी से सजी महफिल : कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशांत बाजपेई ने सभी अतिथियों के आत्मीय स्वागत के साथ किया। कार्यक्रम का संचालन ग्रुप के संयोजक राहुल गुप्ता 'स्पर्शी' ने किया। उन्होंने प्रभावी संचालन के साथ अपनी कविता और शायरी से भी महफिल में रंग

भर दिया।

इस दौरान किट्टी पार्टी ग्रुप में नवीन सदस्य के रूप में शामिल हुए अरुणोदय प्रकाश का तरनेश तपन ने हार-फूल की माला पहनाकर स्वागत किया।

सावन के गीतों पर झूमे सदस्य : कार्यक्रम में अमृत रंधावा ने पंजाबी अंदाज में 'बरसात के मौसम में तन्हाई के आलम में' गीत प्रस्तुत कर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। जितेंद्र कुमार तागड़े ने 'मैं जट यमला पगला दीवाना' गीत प्रस्तुत किया। डॉ. जगमोहन पाल ने 'आज मौसम बड़ा बेईमान है' गीत सुनाकर माहौल को मस्ती से भर दिया।

अजय बाजपेई ने 'सावन का महीना, पवन करे शोर', संग्राम सिंह ने 'रिमझिम के गीत सावन गाए' और ओपी वर्मा ने 'बरसात में जब आएगा सावन का महीना' गीत प्रस्तुत किया। अनुज सक्सेना ने 'आज रपट जाएं तो हमें न उठइयो' गीत पर शानदार प्रस्तुति दी।

राजीव गुप्ता ने 'एक रुत आए, एक रुत जाए, मौसम बदले न बदले नसीब' गीत से खूब वाहवाही बटोरी। वहीं सुभाष कश्यप ने 'ये रात भीगी-भीगी, ये मस्त फिजाएं' गीत प्रस्तुत कर सावन की महफिल को और खुशनुमा बना दिया।

युगल गीत ने बटोरी तालियां : युगल गीतों की श्रृंखला में अरुणोदय प्रकाश एवं संग्राम सिंह ने 'लगी आज सावन की फिर वो झड़ी है' गीत प्रस्तुत किया। दोनों की प्रस्तुति को सदस्यों ने खूब सराहा और तालियों से उत्साहवर्धन किया।

हाउजी और गेम में भी दिखा उत्साह : कार्यक्रम में मनोरंजन के लिए दो खेल आयोजित किए गए। अश्विन जैन ने सदस्यों को हाउजी खिलाई, जिसमें राजीव गुप्ता विजेता रहे। वहीं श्याम श्रीवास्तव द्वारा आयोजित रोचक खेल में बिपिन भटनागर विजयी रहे।

राजीव गुप्ता को 'आज का हीरो' सम्मान भी दिया गया। अजय बाजपेई ने उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान सदस्यों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएं प्रमोद गौतम ने संभालीं। अंत में अशोक सिंह चौधरी ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में किट्टी पार्टी ग्रुप के अधिकांश सदस्य उपस्थित रहे।

वाराणसी मे बुनकरों की बड़ी मांग 400 रुपये प्रति किलोवाट फ्लैट रेट और 75 किलोवाट तक लोड का प्रस्ताव मीटिंग मे सर्वसम्मति से हुआ पास

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के बुनकर प्रतिनिधियों की एक अहम मीटिंग गुलिस्ता स्कूल काजीसडुल्लापुरा वाराणसी में बुनकर उद्योग मंडल के जानिब फ्लैट रेट बिजली की रेट एवं लोड को ले कर एक प्रस्ताव पास कराकर संपन्न हुई जिसमें उत्तर प्रदेश के कई जिलों से आय बुनकर प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें 7 प्रतिनिधियों ने फ्लैट रेट दर कम करने के सरकार द्वारा की जा रही देरी पर चिंता व्यक्त की 7 पिछले काफी लंबे समय से सरकार द्वारा भार वृद्धि और फ्लैट रेट कम करने के लिए लखनऊ और कानपुर और बनारस में कई मीटिंग की गई और मंत्री राकेश सचान के द्वारा प्रदेश के बुनकर बाहुल्य जिलो में जाकर बुनकरों से संवाद किया और बुनकरों से राय ली गई जिसकी वजह से हम बुनकरों के अंदर बहुत उम्मीद जगी कि बिजली की फ्लैट रेट जो वर्तमान में सरकार 860 किलो वाट ले रही है उस रेट को आधा करेगी जो 400 प्रति किलो वाट होता है लेकिन उसका परिणाम अभी तक शून्य रहा 7 आज बुनकर की इस मीटिंग में बुनकर प्रतिनिधियों ने मुख्य मांग का प्रस्ताव बनाकर सर्वसम्मति से पास किया है इस प्रस्ताव को सरकार द्वारा लागू करने की अपील की गई 7

(1)- बुनकरों का फ्लैट रेट 400 रूपये प्रति किलो वाट सभी करों के साथ किया जाए 7

(2)- बुनकरों का बकाया एरियर जल्द से जल्द समाप्त किया जाए ताकि बुनकर भारी बकाए से मुक्त हो (जो की एरियर सरकार को देना है) 7

(3)- भार वृद्धि 5 किलोवाट से ऊपर सरकार जितना चाहे अधिक से अधिक 75 किलोवाट तक कर सकती है इस पर सभी की सहमति है 7

(4)- मीटिंग में यह भी चर्चा की गई कि बुनकरों के पलायन को कैसे रोका जाए क्योंकि बिजली का रेट अधिक होने के कारण साथ ही रोजगार कम होने के कारण बुनकर अन्य प्रदेशों में रोजगार के लिए पलायन कर रहा है और अपने लाखों की मशीन को औने पौने दाम में बेच रहा है इस पलायन को रोकने के लिए आज प्रस्तावित फ्लैट रेट और लोड को पास कर लागू करे ताकि पलायन रुक सके 7 इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि कृषि के बाद बुनकारी ही प्रदेश में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार है जिससे सरकार को जीएसटी के रूप में सालाना लाखों करोड़ रुपये राजस्व के रूप में प्राप्त होता है और जो बिजली की सब्सिडी आएगी वो लगभग एक हजार करोड़ आएगी और जैसे ही सरकार ने बिजली की नई फ्लैट रेट 400 प्रति किलो वाट और 75 किलो वाट की जैसे ही लागू करेगी उत्तर प्रदेश के बुनकरों में खुशी की लहर दौड़ जाएगी 7 आज जो बुनकारी से जुड़े बुनकर है उसमें हिन्दू और मुस्लिम समाज की भागीदारी आधी आधी है अगर हिंदू भाई ताना है तो मुस्लिम बाना है जो एकता का पैगाम देता है 7

आज इस मीटिंग में यह तय हुआ है कि सरकार जल्द से जल्द फ्लैट रेट कम करके 400 रूपये किलो वाट और 75 किलो वाट तक के कनेक्शन का प्रस्ताव तय हुआ इसको लागू कर नया शासनादेश जारी करे अगर यह प्रस्ताव लागू नहीं होता है तो बुनकर मजबूर होकर अपना पावरलूम बन्द करने के लिए बाध्य होंगे।

सपा नगर संगठन की बैठक में बूथ मजबूत करने पर जोर

जालौन, जीएनएस।

रविवार को समाजवादी पार्टी नगर संगठन की बैठक आयोजित की गई संचालन नगर महासचिव उबैश पठान ने किया बैठक में संगठन को मजबूत करने के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर 12 बिंदुओं पर चर्चा की गई बैठक में बूथ स्तर पर संगठन की स्थिति की समीक्षा की गई। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बूथों की कमियों को चिह्नित कर उन्हें दूर करने तथा जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया कार्यकर्ताओं ने घर-घर संपर्क अभियान चलाकर पार्टी की

नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने भाजपा सरकार की नाकामियों और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के साथ सपा सरकार के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए वर्ग के अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर भी विचार किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कालपी विधानसभा से पार्टी द्वारा जिसे भी प्रत्याशी घोषित किया जाएगा, नगर संगठन एकजुट होकर उसके समर्थन में पूरी ताकत से चुनाव अभियान चलाएगा। कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2027 में सपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

प्रदेश सरकार द्वारा रसोइयों का मानदेय बढ़ाने पर चेहरे खिल उठे रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड कराये उपलब्ध

जालौन, जीएनएस।

तहसील सभागार में रविवार को पीएम पोषण योजना के अंतर्गत रसोइया सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव ने रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए शासन की ओर से रसोइयों के मानदेय में वृद्धि किए जाने की जानकारी पर उनके चेहरे खिल उठे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की भूमिका अहम है वह पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने

दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं सरकार ने मानदेय में वृद्धि के साथ कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर रसोइयों के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाया है इससे उन्हें उपचार के समय आर्थिक परेशानी से राहत मिलेगी उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं, जब उनका लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड मिलने से उन्हें गंभीर बीमारी अथवा आकस्मिक स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में उपचार कराने में सुविधा मिलेगी।

बी एस डब्ल्यू और एम एस डब्ल्यू सत्रारम्भ समारोह संपन्न

भितरवार-ग्वालियर रविबार शासकीय महाविद्यालय भितरवार में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग मध्यप्रदेश शासन के समन्वय से संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत बी एस डब्ल्यू और एम एस डब्ल्यू का शैक्षणिक सत्र 2026 - 27 का शुभारंभ सरवती पूजन के साथ प्रारंभ किया गया सत्रारंभ समारोह के मुख्य अतिथि नायव तहसीलदार भितरवार महाराज सिंह सगर के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भितरवार के विकास खण्ड

समन्वयक अधिकारी मनोज दुबे ने की संचालन परामर्शदाता पालेंद्र सिंह राणा ने किया अतिथि स्वागत कुलदीप नामदेव, कोमल सिंह रावत, नवल सिंह कुशवाह, धर्मेद्र सिंह किरार और गजेन्द्र सिंह ने किया सर्व प्रथम कार्यक्रम की रूपरेखा, पाठ्क्रम की जानकारी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की भूमिका कार्य एवं उद्देश्य मनोज दुबे ने बताए, मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार महाराज सिंह सगर के द्वारा पाठ्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि सोसल वर्क में बैचलर डिग्री और मास्टर डिग्री के छात्रों को नेतृत्व करने का मौका हर क्षेत्र में मिलता हैं शिक्षा के साथ समाज कार्य करना अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी है समाज कार्य के छात्र शासन और समाज के बीच कार्य कर राष्ट निर्माण में योगदान देंसभी छात्र स्वैच्छिकता का संकल्प लें उपस्थित छात्र छात्राओं को अध्ययन सामग्री(पाठ्यपुस्तकें) वितरण कर नशामुक्ति का संकल्प कराया गया,श्रम साधना के साथ पारंपरिक खेलों से जोड़ने की भी बात की गई एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत महाविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण कर संरक्षण का भी संकल्प लिया गया परामर्शदाताओं के द्वारा पाठ्क्रम से सम्बंधित फंडामेंटल जानकारी दी गई आज की कक्षा में गरिमा जैन, संजय सिंह, गौरव रावत, कार्तिक तिवारी, अभिषेक भार्गव, रेनू प्रजापति, ज्योति, पूजा कुशवाह, रोशनी गोड, आदि।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता संपन्न

डबरा में भारत विकास परिषद शाखा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता देशभक्ति और सांस्कृतिक भावनाओं से ओतप्रोत माहौल में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिंदी, संस्कृत और लोकगीतों की शानदार सामूहिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कैंब्रिज स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि रास जेबी स्कूल उपविजेता रहा। वीओ - कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रास जेबी स्कूल की प्राचार्या श्रीमती ज्योति विश्वकर्मा रहीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में रमेश शर्मा, कमल तिवारी एवं पाराशर शामिल रहे।

विधायक एवं महंत ने दो मंदिरों में एक करोड़ 35 लाख रुपए बनने वाले भवनों का शिलान्यास कर पूजा अर्चना की

जालौन, जीएनएस।

रविवार के दिन विधायक एवं बनखंडी मंदिर के महंत समेत दोनों ने लाखों के होने वाले भवन का पूजन कर शिलान्यास किया।

नगर के आलमपुर स्थित मां बनखंडी मंदिर प्रांगण में आयोजित शिलान्यास समारोह में मंदिर के महंत जमुनादास महाराज कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी समेत दोनों ने स्थानीय भाजपा के लोगों की उपस्थिति में विद्वान पंडित के द्वारा वेद मत्रों के उच्चारण से पूजा अर्चना कराई गई समारोह पर विधायक चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि महंत के कहने पर तथा आदि भक्तों के हितों का ध्यान रखते हुए मंदिर में पर्यटन विभाग से नए भवन के लिए धनराशि स्वीकृत कराई गई है मंदिर के लिए महंत जी का जो आदेश होगा वह मैं सदैव पालन कर सेवा में समर्पित रहूंगा इसके उपरांत उन्होंने फावड़ा से मिट्टी खोदकर शिलान्यास किया संस्था के लोगों ने अवगत कराया कि पर्यटन विभाग द्वारा स्वीकृत धनराशि 70 लाख 47 हजार रुपए की लागत से

मल्टी परपज हॉल सोलर लाइट एवं इंटरलॉकिंग निर्माण करने के लिए कार्य दाई संस्था अधिशाषी अधिकारी उमा मस शुक्ल क्षेत्रीय अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा अवर अभियंता मौल कुमार यादव लोगों की देखरेख में निर्माण कराया जाएगा टीम ने अवगत कराया भवन को तैयार करने में लगभग 3 महीने लगकर निर्माण पूरा किया जाएगा।

इसी प्रकार गणेशगंज स्थित गणेश मंदिर में विधायक ने पहुंचकर मंदिर के महंत की उपस्थिति में मौजूद विद्वान पंडित के द्वारा लगभग 68 लख रुपए से बनने वाले भवन का पूजा अर्चना कर शिलान्यास किया उपस्थित लोगों में महंत ऋषभ महाराज मनोज चतुर्वेदी जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी भारत सिंह यादव सर्राफा मंडल अध्यक्ष अरविंद उर्फ कल्लू सोनी बबलू सिंह राणा राजेंद्र साहु ब्राह्मण सभा जिला अध्यक्ष राजू पाठक पूर्व सभासद राजेश द्विवेदी बाबू सिंह यादव जीतू तिवारी पूर्व प्रधानाचार्य आशुतोष मिश्रा ब्रह्मा सिंह यादव कन्हैया मिश्रा धर्मेंद्र पाल देवेंद्र गुप्ता कुलदीप शर्मा आदि दर्जनों लोग दोनों कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सेवा से नेतृत्व तक... लायंस क्लब के इंस्टॉलेशन सेरेमनी 'अभ्युदय' में दिखी समाजसेवा की नई तस्वीर

लखनऊ, जीएनएस।

लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 क्क्ा की ओर से आयोजित डिस्ट्रिक्ट इंस्टॉलेशन सेरेमनी 'अभ्युदय' में सेवा और नेतृत्व का संगम देखने को मिला। समारोह की शुरुआत होटल लेमन ट्री में सेवा गतिविधियों से हुई..सेवा गतिविधियों के तहत सिलाई मशीनें वितरित कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल की गई, वहीं साइकिल वितरण के जरिए जरूरतमंद लोगों को आवागमन में सुविधा देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में लायंस क्लब के मूल मंत्र 'ङ्खद्ग स्द्गह्1द्ग' की भावना नजर आई। आयोजकों ने कहा कि समाजसेवा का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों की मदद करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी होना चाहिए।

इसके बाद होटल द्धङ्मष्ट स्नशह्लह्वठ्ठद्ग स्द्मद्यद्गष्ह्ल में

इंस्टॉलेशन सेरेमनी आयोजित हुई। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट स्तर पर नई जिम्मेदारियों और नेतृत्व की औपचारिक शुरुआत हुई।कार्यक्रम में लायंस क्लब इंटरनेशनल के इंटरनेशनल डायरेक्टर लॉयन विनय मित्तल मुख्य अतिथि रहे। लॉयन जितेंद्र सिंह चौहान ने इंस्टॉलेशन ऑफिसर की भूमिका निभाई, जबकि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य पवन सिंह चौहान स्पेशल गेस्ट और विधायक नीरज बोरा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर क्क्ष्ह्स्न लॉयन परमजीत सिंह, फर्स्ट वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लॉयन दलजीत सिंह टोनी, सेकेंड वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लॉयन नवीन कुमार झिंगरन, इमीडिएट पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर क्क्ष्ह्स्न लॉयन आर.सी. मिश्रा और पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं डिस्ट्रिक्ट इंस्टॉलेशन चेयरपर्सन लॉयन बी.एन. चौधरी सहित क्लब के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में नई जिम्मेदारियों के साथ सेवा गतिविधियों को और विस्तार देने का संकल्प लिया गया। आयोजकों ने कहा कि समाजसेवा का उद्देश्य जरूरतमंदों की मदद के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है। समारोह के समापन पर फेलोशिप और डिनर का आयोजन किया गया।

बच्चों ने दिखाया दम: रोचक खेल प्रतियोगिता में दिखा उत्साह

जयपुर, जीएनएस।

मेरा अधिकार संस्था की ओर से नवभारत माध्यमिक विद्यालय, हिंदी भवन, आगरा रोड, जयपुर में ÷बच्चों ने दिखाया दम÷ रोचक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा, चतुराई और एकाग्रता का शानदार प्रदर्शन किया।

मीडिया प्रभारी सुनील जैन ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतर्गत बच्चों को आंखों पर पट्टी बांधकर सिर पर ग्लास रखकर संतुलन

बनाना, किसी बच्चे को सही ढंग से पहचानना तथा स्पर्श के माध्यम से बच्चों की पहचान करने जैसे अनेक रोचक खेल कराए गए। इन खेलों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उपस्थित विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रधानाचार्य राजेंद्र शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, एकाग्रता और आपसी सहयोग की भावना विकसित करती हैं। इस अवसर पर फिल्म डायरेक्टर लखबीर सिंह की ओर से बाल बसेरा रेलवे स्टेशन, बड़ोदिया बस्ती के 25 अनाथ बच्चों को 23 अगस्त को राज मंदिर सिनेमा में फिल्म ÷तांडव 2÷ देखने के लिए निशुल्क पास प्रदान किए गए। साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप पेन भेंट किए गए। कार्यक्रम में सिद्धार्थ शर्मा, यशवंत सिंह राजपूत एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

रामेश्वर धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने बनाए मिट्टी के शिवलिंग, विधि-विधान से की पूजा-अर्चना

दतिया, जीएनएस।

रामेश्वर धाम, दतिया से करीब 8 किलोमीटर दूर ग्राम भिटोरा में रविवार को भव्य धार्मिक आयोजन हुआ। आयोजन में हजारों की संख्या में महिला-पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने मिट्टी से शिवलिंग का निर्माण कर विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम की शुरुआत रामेश्वर धाम के पीठाधीश्वर शिवम महाराज द्वारा मिट्टी पूजन के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ मिट्टी के शिवलिंग बनाए और उनका विधि-विधान से पूजन किया।

आयोजन में महिलाओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। श्रद्धालुओं द्वारा 1 लाख 71 हजार शिवलिंग निर्माण का संकल्प लेकर शिवलिंग बनाए गए और पूजा-अर्चना की गई। धार्मिक आयोजन के दौरान पूरा रामेश्वर धाम परिसर भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख-समृद्धि, शांति और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह और आस्था देखने को मिली।

शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन की दृष्टि से ऋषि गालव विश्वविद्यालय का शुभारंभ

ग्वालियर, जीएनएस।

मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन की दृष्टि से ऋषि गालव विश्वविद्यालय का शुभारंभ 4 मई 2026 को प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के कर-कमलों द्वारा किया गया। ऋषि गालव विश्वविद्यालय के शहर कार्यालय का शुभारंभ भी गत माह माधव महाविद्यालय परिसर के नवनिर्मित भवन में हो चुका है।

इसके साथ ही वृक्षोत्सव 2026 के माध्यम से शहर के विशिष्ट जन, अनेक संस्थानों के प्रमुखों तथा विद्यार्थियों के माध्यम से 2 घंटे में 5,000 पौधे रोपने का पुनीत कार्य भी ऋषि गालव विश्वविद्यालय परिसर में किया जा चुका है। इसके बाद भी शहर के विशिष्ट नागरिक एवं संस्थाएं यहाँ पर आकर वृक्षारोपण का कार्य अगस्त माह में लगातार कर रही हैं।

इसी श्रृंखला में गुरुद्वारा दाता बन्दी छोड़ से श्री मोहन सिंह जी के साथ कारसेवकों ने आकर विगत दिवस 150 से अधिक पौधों का रोपण किया। इस कार्य में माधव महाविद्यालय के डॉ. संजय पांडे (कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना), प्रोफेसर मुलायम सिंह (एनसीसी अधिकारी), डॉ. नरेश त्यागी, राघवेंद्र चौहान आदि ने सहयोग किया। मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र बांदिल ने इस कार्य को विश्वविद्यालय के हरितमय होने तक सतत जारी रखने का जो संकल्प लिया है, उसे समस्त जन मिलकर पूरा करने में संलग्न हैं।

युवाओं में राष्ट्र सेवा की भावना को और अधिक सशक्त करेगा

ग्वालियर, जीएनएस।

8 मध्य प्रदेश बटालियन (MP BN) एनसीसी ग्वालियर के तत्वावधान में कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप-42 (CATC) का शानदार आगाज हो गया है। इस कैंप ट्रेनिंग कैंप का आयोजन एलएनआईपीई (LNIPE) ग्वालियर में किया जा रहा है, जो 23 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक चलेगा।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स का सर्वांगीण विकास करना, उनमें कड़ा अनुशासन पैदा करना, नेतृत्व क्षमता को निखारना और राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करना है। कैंप में विभिन्न इकाइयों से आए कुल 440 एनसीसी कैडेट्स पूरे उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। कैडेट्स को मिलेगा बहुआयामी प्रशिक्षणशिविर के दौरान कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के लिए कई तरह की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें मुख्य रूप से शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, शस्त्र प्रशिक्षण (वेपन ट्रेनिंग), मैप रीडिंग, योग, विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सेमिनार, स्वच्छता अभियान, सामुदायिक सेवा और रंगारंग सांस्कृतिक गतिविधियों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।अनुशासन और एकता का संदेशकैंप कमांडर एच. एस. आहलुवालिया ने सभी कैडेट्स को संबोधित करते हुए अनुशासन और एकता बनाए रखने की सीख दी।

दलित किसान ने लगाया गलत सीमांकन का आरोप

दतिया। दतिया तहसील के ग्राम हमीरपुर मौजे के किसान राधेश्याम बुलकिया, अशोक बुलकिया ने राजस्व विभाग पर उसे बिना सूचना दिए उसकी जमीन के गलत एवं मनमाने सीमांकन का आरोप लगाते हुए पुनः सीमांकन उसकी उपस्थिति में मशीन से कराने की गुहार प्रशासन से लगाई हैं। पत्रकारों से चर्चा में पीड़ित किसान ने बताया कि उसके खेत के पास अखलेश सक्सेना ने जमीन खरीदी हैं जिसका सीमांकन के लिए जुलाई माह में तहसील कार्यालय से उसे नोटिस मिला था,खेत में फसल खड़ी होने के कारण मैंने सीमांकन रोकने तथा फसल कटने के बाद सीमांकन की सहमति दी थी, इसके बावजूद राजस्व विभाग ने दल गठित कर सीमांकन मुझे बिना सूचना दिए कर दिया जो गलत हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव ने किया राखी मेले का शुभारंभ

ग्वालियर, जीएनएस।

स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्वालियर जिला प्रशासन द्वारा संभागीय ग्रामीण हाट बाजार में राखी मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव एवं सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह भी मौजूद थीं। राखी मेले में जिले की स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा तैयार की गई राखियां एवं अन्य जनउपयोगी वस्तुएं नागरिकों को किफायती दाम पर उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव ने स्व-सहायता समूहों की दीदियों से समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्वालियर जिले में स्व-सहायता समूह की दीदियां बहुत ही अनुकरणीय कार्य कर रही हैं। इस प्रकार के मेलों से स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहन मिलता है और लोगों को अच्छे उत्पाद भी प्राप्त होते हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने कहा कि जिले में स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को न केवल जिले में बल्कि प्रदेश स्तर पर भी सराहा गया है। राखी मेले का आयोजन भी महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिये किया गया है। राखी मेले में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों से जुड़ीं दीदियों द्वारा बनाए गए एक से बढ़कर एक उत्पाद प्रदर्शन व बिक्री के लिये सजाए गए हैं। राखी मेले में आकर्षक व रंग-बिरंगी राखियों के साथ-साथ लेडीज पर्स, रेडीमेड वस्त्र, दाल, दलिया, चावल, मसाले, शहद, सरसों, नारियल व बादाम के तेल, वर्मी कम्पोस्ट, टैडीवियर, नमकीन, अचार, जैविक खाद, रुई बाती, मोती माला व झाड़ू इत्यादि उपलब्ध हैं।

जामनेर थाना पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर चोरी हुए नगदी रूपये किए बरामद

गुना, जीएनएस। गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं त्वरित कार्यवाहियां की जा रही हैं । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं डीएसपी मुख्यालय और प्रभारी एसडीओपी श्री जमीलउद्दीन सिद्दीकी के पर्यवेक्षण में जामनेर थाना पुलिस द्वारा पान की गुमटी से हुई चोरी के मामले का तत्परता से खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की नगदी बरामद की गई है ।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 21 अगस्त 2026 को फरियादी राजू सैनी निवासी ग्राम जामनेर द्वारा जामनेर थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि जामनेर मंडी गेट के पास स्थित उसकी पान की गुमटी से दिनांक 20-21 अगस्त 2026 की रात्रि में कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक कूटर एवं 3,000 नगदी चोरी कर ली गई है । उसकी रिपोर्ट पर जामनेर थाने में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 181/26, धारा 305(ए), 331(3) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई । चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए जामनेर थाना पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी की पतारसी के लिए सघन प्रयास प्रारंभ किए गए । पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ-साथ तकनीकी संसाधनों एवं सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया । लगातार सूचना संकलन एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस को शीघ्र ही अज्ञात आरोपी की पहचान करने में सफलता मिली । इसके बाद पुलिस टीम द्वारा आरोपी की सरगर्मी से तलाश की जा रही थी । दिनांक 24 अगस्त 2026 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर जामनेर थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी अंधेर सिंह पुत्र लाल सिंह जादौन, उम्र 45 वर्ष, निवासी जामनेर, जिला गुना को गिरफ्तार कर लिया गया । पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से प्रकरण में चोरी गई 2,250/- नगदी बरामद की गई है । पूछताछ में आरोपी द्वारा शेष राशि खर्च कर देना बताया है, प्रकरण की विवेचना जारी है ।

जामनेर थाना पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज मेहरा, उपनिरीक्षक जगदीश जाटव, प्रधान आरक्षक धीरज सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक गिरजेश मीना, प्रधान आरक्षक अवधेश पांडे, आरक्षक गजेन्द्र गुर्जर, आरक्षक पंजाब सिंह गुर्जर एवं आरक्षक शिवकुमार निगम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

चीनी के बढ़ते दाम, न देना फरमान

अब कहीं प्रधानमंत्री, ऽचीनीऽ पर फरमान न दे दें,
बढ़ते दामों से जनता को, कोई नव ज्ञान न दे दें।
कहें-मीठा कम कीजिए, ऽस्वास्थ्यऽ का रखें ध्यान,
चीनी महँगी हुई तो क्या, देशहित में है बलिदान!
चाय में चीनी कम होगी, हलवाई ऽमिठासऽ घटेगी,
गरीब की थाली वैसे, अभी थोड़ी और सिमटेगी।
दाम बढ़े तो भाषण आए, महँगाई पे ज्ञान मिलेगा,
प्रजा पूछे-ऽचीनी सस्ती?ऽ उत्तर में ध्यान मिलेगा!
कल तेल बचाने बोले, अब चीनी बचाने की बारी,
महँगाई की पाठशाला में, जनता बन रहीं बेचारी।
ये तंत्र कहे-ऽकम मीठा खाओ, सेहत ठीक रखो।ऽ
जन बोले-ऽठीक साब, पहले जेब की सेहत रखो!ऽ
चीनी के दाम बढ़ जाएँ, हिम्मत अपनी मत हारो,
मीठे वादों की मिठास छोड़, सच स्वाद स्वीकारो।
यूं बाजार की दुनिया में, एक बात समझ में आई,
चीनी चाहे महँगी हो, महँगाई ज्यादा कड़वी भाई!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

ग्वालियर में अखिल भारतीय कोली समाज की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक संपन्न

ग्वालियर। अखिल भारतीय कोली समाज (पंजीकृत, नई दिल्ली) की मध्य प्रदेश शाखा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक एवं स्वागत समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की मौजूदगी में समाज की एकजुटता, संगठन विस्तार और सामाजिक उत्थान को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दमन-दीव के सांसद एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री उमेद बाबू पटेल (उमेश भाई पटेल) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री घनश्याम शेर ने की। विशेष अतिथि के रूप में गुजरात से राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री शंकर भाई बेगड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पूनम वर्मा तथा विधायक एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुखराम कोली सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर नवनियुक्त मध्य प्रदेश कोली समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह कोली 'रोनी' का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बैठक में संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने, सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने तथा समाज के अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यापारियों को एक मंच पर लाने के लिए डायरेक्टरी तैयार करने पर चर्चा हुई।

खुला नाले को पाटने की मांग,, खुला नाला बना मुसीबत बेजुबान पशु अक्सर गिरते हैं नाले में

पोरसा, जीएनएस। खुला नाला बना मुसीबत नगर प्रशासन का नहीं ध्यान अक्सर बेजुबान पशु गिरते हैं नाले में तब समाजसेवी लोग उन्हें रस्से के सहारे निकलते हैं नगरपालिका से खुले नालों को पाटने की मांग समाजसेवीयो ने की है नगर पालिका के द्वारा अभी गत माह पूर्व भिंड रोड पर जो बडा नाला बनाया गया हैं वह बराबर पाटा गए हैं,, फिर यह बायपास रोड पर बना नाला जोटई रोड पर बना नाला क्यों नहीं पाटा गया बेजुबान पशु के भी जान होती है उन्हें भी जीने का अधिकार है,, नल 6 फुट चौड़ा व 6 फुट गहरा है जो खतरनाक है इसलिए इसे पाटा जाना बेहद आवश्यक है,,,,,,स्थानीय राजपाल सिंह तोमर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पोरसा का कहना है कि खुला नाला जो 6 फुट चौड़ा तथा 6 फुट गहरा है जो खतरनाक है इसे पटा जाना चाहिए ,। महावीर जैन अध्यक्ष व्यापार संघ का कहना है कि खुला नाला बेजुबान पशुओं के लिए हर समय खतरा बना रहता है तथा आम नागरिकों के लिए भी खतरा है इसलिए इसे पाटा जाना बेहद आवश्यक है। सुनील सखवार जगदीशगढ़ का कहना है कि खुले नाले से बदबू आती है इसलिए पाटा जाना बेहद आवश्यक है प्रशासन को उक्त नाला को पटना चाहिए ,,,,,,

अवधेश सिंह सेंगर मुख्य नगर पालिका अधिकारी का कहना है कि नाला पाटे जाने की योजना हमारे संज्ञान में है उक्त नाला मेरे कार्यकाल से पूर्व में बना था मेरे कार्यकाल में भिंड रोड का नाला बना है जो हमने पाट करके बनाया है उक्त नाले को पाटे जाने के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी की जाएगी।

महाराजा अग्रसेन जयंती 11 अक्तूबर से, शोभायात्रा को भव्य बनाने की तैयारी

फिरोजाबाद, जीएनएस। अग्रवाल समाज के प्रेरणास्रोत महाराजा अग्रसेन की 5150वीं जयंती इस बार 11 अक्तूबर से धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। श्री श्री 1008 श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव समिति ने आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

शोभायात्रा को ऐतिहासिक और आकर्षक बनाने के लिए अग्रवाल सभा, अग्रवाल धर्मशाला प्रबंध समिति और अग्रवाल युवा समाज की ओर से नमन बंसल को शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजक नियुक्त किया गया है। महोत्सव समिति का कार्यालय 30 अगस्त, रविवार को शाम पांच बजे दुर्गा नगर स्थित श्री महाराजा अग्रसेन कन्या विद्यालय में शुरू किया जाएगा। इसका शुभारंभ समाजसेवियों के कर कमलों से होगा।

समिति के संयोजक नमन बंसल ने अग्रवाल समाज के लोगों और अग्र मातृशक्ति से कार्यक्रम में समय से पहुंचने की अपील की है। उन्होंने आयोजन को लेकर समाज के लोगों से सुझाव देने का भी आग्रह किया है।

नशे से दूर रहने को छात्राओं को किया जागरूक, मोबाइल की लत को भी बताया खतरनाक

फिरोजाबाद, जीएनएस। महात्मा गांधी बालिका (पीजी) कॉलेज में सोमवार को नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की इकाई-1 और इकाई-2 के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रो. प्रियदर्शिनी उपाध्याय और मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी संस्था की बीके नीता ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। बीएससी पंचम सेमेस्टर की छात्रा काम्या ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा खुशी दिवाकर ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

प्राचार्या ने कहा कि नशा केवल शराब, तंबाकू, धूम्रपान और मादक पदार्थों तक सीमित नहीं है।

मोबाइल की अत्यधिक लत, स्क्रीन एडिक्शन और जंक फूड की आदत भी व्यक्ति के स्वास्थ्य और दिनचर्या को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने छात्राओं से मोबाइल और सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करने, स्वस्थ खानपान अपनाने और आत्मअनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि युवा अवस्था जीवन निर्माण का महत्वपूर्ण समय है। इस दौरान अपनाई गई अच्छी आदतें भविष्य को बेहतर बनाने में मदद करती हैं।

आत्मविश्वास सफलता का सफल साधन है : उदयभान

ग्वालियर जीएनएस सेंट जॉन बियानी स्कूल पुरानी छावनी में एक मोटिवेशनल भव्य सेमिनार आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि शहर के साहित्यकार, गीतकार एवं समाजसेवी उदयभान रजक रहे इस प्रेरणा डाई सेमिनार में उदयभान ने विद्यार्थियों को महान सफल महापुरुषों की कहानियां सुना कर और स्वरचित गीत सुनाकर विद्यार्थियों का मन मोह लिया एवं खूब तालियां बटोरी,उदयभान के प्रेरणादायी बौद्धिक से पहले विद्यालय प्रिंसिपल फादर जोसेफ एमपी ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया और कहा कि आपके लिए आज बहुत कुछ मिलने वाला है मैंने देखा है की बहुत लोग वर्तमान समय में गंदगी फैलाते हैं परंतु उदयभान जी एक प्रेरणादाई खुशबू बांटते हैं अपने अच्छे व्यवहार से एवं अच्छे शब्दों से और सौभाग्य से आज हम सब के बीच तुम सब विद्यार्थियों को यह मोटिवेशनल बातें सुनने को मिलेंगी, उदयभान जी ने आत्मविश्वास भरे विचार एवं हिम्मत न हारने वाली कहानी अपने स्वरचित काव्य पाठ के माध्यम से जीवन के महत्वपूर्ण संदेश दिए,उन्होंने समझाया कि परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि हमारी सोच और प्रयास जीवन की दिशा बदलते हैं।

संत रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में कलश यात्रा संपन्न

ग्वालियर जीएनएस संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर मंडल द्वारा कलश यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा अंबेडकर पार्क से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए संत रविदास जी के मंदिर पहुंची, जहां विधिवत समापन किया !यात्रा में अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता रामेश्वर भदौरिया एवं जिला उपाध्यक्ष श्रीमती लता सिंह जी उपस्थित रहीं। वहीं विशेष अतिथि भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश धनौल जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्रवीण भारद्वाज ने की ! इस अवसर पर रामेश्वर भदौरिया ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और राष्ट्र को मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। श्रीमती लता सिंह जी ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन हमें बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है।

भारत विकास परिषद की वृहद संपर्क बैठक में सुरेश जैन ने कहा- संस्कारवान पीढ़ी ही बनाएगी सशक्त राष्ट्र

राष्ट्र निर्माण में प्रबुद्ध जनों की भूमिका अहम, परिवार और समाज में संस्कार जरूरी

ग्वालियर जीएनएस

भारत विकास परिषद मध्य भारत उत्तर प्रांत द्वारा ग्वालियर महानगर में 'राष्ट्र निर्माण में प्रबुद्ध जनों की भूमिका' विषय पर वृहद संपर्क बैठक का आयोजन रविवार को कैंसर चिकित्सालय के शीतला सहाय सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन तथा विशिष्ट अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु राजकुमार आचार्य रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजनों ने सहभागिता की।

पांच सूत्रों पर दिया जोर

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने भारत विकास परिषद के पांच सूत्र संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण को रेखांकित करते हुए आत्मनिर्भर और संस्कारवान समाज के निर्माण का आह्वान किया।

उन्होंने नशामुक्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से परिवारों में बढ़ती दूरियों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और राष्ट्र की नींव है। बच्चों को अच्छी शिक्षा और सुविधाएं देने के

साथ उनमें संस्कार, अनुशासन, जिम्मेदारी, परिवार के प्रति सम्मान और भारतीय संस्कृति के मूल्यों का विकास करना जरूरी है। संस्कारवान नई पीढ़ी ही स्वस्थ परिवार, सभ्य समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

समाजहित के कार्यों की सराहना : विशिष्ट अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु राजकुमार आचार्य ने भारत विकास परिषद द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने प्रबुद्धजनों से सामाजिक दायित्वों के प्रति सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रबुद्धजनों ने अतिथियों के साथ विभिन्न सामाजिक एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर संवाद भी किया। इस अवसर पर लेखिका प्रिया शर्मा की पुस्तक 'स्नेह की डोर परिवार' का विमोचन भी किया गया।

11 पौधे रोपे, भोजनशाला का किया निरीक्षण : कार्यक्रम के पश्चात प्रांतीय कार्यकारिणी की कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कैंसर चिकित्सालय परिसर में अतिथियों द्वारा 11 छायादार एवं ऑक्सीजनदायी पौधे रोपे गए। साथ ही शाखा सहयोग से कैंसर मरीजों एवं उनके अटेंडरों के लिए संचालित निःशुल्क भोजनशाला का निरीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सहसंयोजक आरके चोपड़ा, डॉ. संदीपा मल्होत्रा, कार्यक्रम संयोजक अशोक शर्मा सहित बड़ी संख्या में परिषद के पदाधिकारी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। संचालन प्रांतीय महासचिव नीरज अग्रवाल एवं प्रांतीय वित्त सचिव रचना गोयल ने किया। आभार आरके चोपड़ा ने व्यक्त किया।

अवैध खनिज परिवहन पर जिला प्रशासन की सख्ती

कलेक्टर ने किया बिलौआ चैक पोस्ट का औचक निरीक्षण

ग्वालियर जीएनएस

जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था और सख्त कर दी है। संवेदनशील क्षेत्रों में स्थापित चैक पोस्टों पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है।

इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को बिलौआ स्थित चैक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने चैक पोस्ट की व्यवस्थाओं एवं निगरानी प्रक्रिया का जायजा लेते हुए अधिकारियों से जानकारी ली।

वाहनों की जांच प्रक्रिया देखी : निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चैक पोस्ट से गुजरने वाले लोडिंग वाहनों की जांच प्रक्रिया देखी। उन्होंने वाहनों के दस्तावेजों के सत्यापन, खनिज

परिवहन से जुड़े आवश्यक रिकॉर्ड एवं जांच व्यवस्था की जानकारी अधिकारियों से ली।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए निगरानी और जांच की प्रक्रिया लगातार जारी रखी जाए।

नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को चैक पोस्टों का नियमित और आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध खनिज गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करें, जिससे जिले में खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

समाजबंधुओं ने आम सहमति से किया निर्वाचित, उपस्थितजनों ने दी बधाई

प्रजापति श्री टिल्लू बाबा आश्रम के अध्यक्ष बने हेमसिंह रौतेले

ग्वालियर जीएनएस

कटीघाटी रामाजी का पुरा स्थित श्री टिल्लू बाबा प्रजापति आश्रम के अध्यक्ष पद के निर्वाचन को लेकर रविवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाजबंधुओं एवं समाजसेवियों की मौजूदगी में आम सहमति से हेमसिंह रौतेले को आश्रम का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। अध्यक्ष चुने जाने पर उपस्थित समाजबंधुओं ने उनका स्वागत कर बधाई दी।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए आश्रम एवं समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की।

बड़ी संख्या में समाजबंधु रहे मौजूद : बैठक में युवा संगठन

के पूर्व अध्यक्ष होतम सिंह प्रजापति, अटल सेना अध्यक्ष पुत्तू सिंह प्रजापति, टिल्लू बाबा आश्रम के पूर्व संरक्षक रामकिशन प्रजापति, रामेश्वर भगत, शासकीय अधिवक्ता केके प्रजापति, आदराम प्रजापति, वरिष्ठ समाजसेवी रामचरण प्रजापति, महेश प्रजापति, प्रजापति हितकारिणी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ख्यालेंद्र प्रजापति सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

इस दौरान संजय प्रजापति, देवेंद्र प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति, रोहित प्रजापति, सुरेश प्रजापति, गोपाल प्रजापति, किशन प्रजापति, लालू प्रजापति, नरेश प्रजापति, भालचंद्र विश्वकर्मा, रंजीत प्रजापति, सावित्री रौतेले, मेवाराम प्रजापति, मनोहर गोले, धर्मवीर प्रजापति, नितिन सुजेनिया, रामगोपाल प्रजापति एवं विनोद प्रजापति सहित अन्य समाजबंधु मौजूद रहे।

पोरसा शहर में पहली बार निकली भगवान महाकाल की भव्य पालकी शोभायात्रा, डाक कांवड़ के साथ उमड़ा आस्था का सैलाब

पोरसा, जीएनएस।

श्रावण मास के समापन से पूर्व सोमवार, 24 अगस्त को पोरसा नगर में पहली बार भगवान महाकाल की भव्य पालकी शोभायात्रा निकाली गई। श्री महाकाल मानव सेवा समिति, पोरसा के तत्वावधान मुक्तिधाम के चरण सेवक डॉ अनिल गुप्ता ने आयोजित कार्यक्रम को इस धार्मिक आयोजन में डाक कांवड़ के साथ सैकड़ों शिवभक्त शामिल हुए। सुबह से ही पूरा नगर 'बम-बम भोले', 'हर-हर महादेव' और 'ओम नमः शिवाय' के जयघोष से गूंजता रहा और वातावरण पूरी तरह शिवमय नजर आया।

भगवान महाकाल की पालकी शोभायात्रा सोमवार सुबह करीब 6 बजे जोटई रोड स्थित मुक्तिधाम के महाकाल लोक से विधिवत रूप से प्रारंभ हुई। भगवान महाकाल की पालकी के साथ डाक कांवड़ भी शोभायात्रा में शामिल रही। बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर और युवा डीजे की धार्मिक धुनों पर भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए यात्रा में आगे बढ़े।

शोभायात्रा मुक्तिधाम से प्रारंभ होकर पुरानी बस्ती, नागाजी मंदिर रोड, सदर बाजार, सब्जी मंडी रोड, अटेर रोड, भिंड रोड और अंबाह रोड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इसके बाद यात्रा पुनः मुक्तिधाम पहुंची, जहां धार्मिक वातावरण के बीच शोभायात्रा का समापन किया गया।

जगह-जगह हुआ भगवान महाकाल की पालकी का स्वागत

नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं, सामाजिक संगठनों और नगरवासियों ने भगवान महाकाल की पालकी का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए स्वागत एवं सम्मान की व्यवस्था भी की गई। पालकी के दर्शन करने के लिए मार्ग में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भगवान महाकाल की पालकी जैसे-जैसे नगर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरी, वैसे-वैसे भक्तों का उत्साह भी बढ़ता गया। श्रद्धालु हाथ जोड़कर भगवान महाकाल के दर्शन करते नजर आए। युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हुए पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया।

डाक कांवड़ ने बढ़ाई शोभायात्रा की भव्यता

इस बार की शोभायात्रा में डाक कांवड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बड़ी संख्या में कांवड़िए भगवान भोलेनाथ की भक्ति में शामिल हुए। कांवड़ के साथ चल रहे श्रद्धालु लगातार भगवान महाकाल के जयकारे लगाते रहे। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों और 'बम-बम भोले' के उद्घोष से नगर का वातावरण श्रद्धा और उत्साह से भर गया। पोरसा नगर में पहली बार भगवान महाकाल की पालकी शोभायात्रा निकाले जाने को लेकर शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन का उद्देश्य लोगों में धर्म, आस्था और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा भगवान शिव की भक्ति से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना बताया गया। श्री महाकाल मानव सेवा समिति की देखरेख में हुए इस आयोजन में समिति के सदस्यों के साथ नगरवासियों और शिवभक्तों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। आयोजन को लेकर कई दिनों से तैयारियां की जा रही थीं, जिसके चलते सोमवार सुबह से ही मुक्तिधाम और नगर के प्रमुख मार्गों पर धार्मिक उत्साह दिखाई दिया। भगवान महाकाल की पालकी शोभायात्रा के आयोजन में मुक्तिधाम के रचनाकार डॉ. अनिल गुप्ता, दोजी राम राठौर महंत, महेश पेगोरिया, संजय अग्रवाल नरेंद्र राठौर, महेंद्र बाल्मीकि, राजकुमार बाल्मिक सुरेंद्र जाटव, कल्याण सिंह फौजी, श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता, मोहित गुप्ता और बॉबी माहौर ओंकार राठौर सहित श्री महाकाल मानव सेवा समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सावन के अंतिम सोमवार को गोला मठ में उमड़ा आस्था का सैलाब

मैहर। सावन के अंतिम सोमवार को मैहर के प्राचीन गोला मठ मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं पूजन के लिए प्रातः करीब 4 बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मंदिर परिसर में भक्तों की संख्या बढ़ती गई।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची में मेरे नाम की स्पेलिंग (VIKASH RATHOR) त्रुटिवश गलत अंकित हो गई है। जबकि मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में मेरे नाम की स्पेलिंग (VIKASH RATHORE) दर्ज है, जो कि सही व सत्य है। अतः भविष्य में मुझे, मेरे सही नाम (VIKASH RATHORE) विकास राठौर के नाम से जाना, पहचाना, लिखा-पढ़ा व पुकारा जावें।

सूचनाकर्ता : विकास राठौर (VIKASH RATHORE)
पुत्र श्री विशाल राठौर, निवासी- बी-272, सूरज नगर सागरताल चौराहा, बहोड़ापुर, लश्कर, ग्वालियर

सिंधिया बोले- प्रक्रिया तेजी से चल रही, 2027 में शुरू होगा निर्माण; संतों ने कहा- जब तक सड़क नहीं बनती, तब तक टोल बंद हो

एनएच-719 को फोरलेन कराने दिल्ली पहुंचे संत, सिंधिया से बोले-हादसों में जा रही जान, देरी क्यों?

ग्वालियर जीएनएस

नेशनल हाईवे-719 को फोरलेन करने की मांग को लेकर सोमवार को ग्वालियर-भिंड के संत समाज का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंचा और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की। संतों ने हाईवे के चौड़ीकरण में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जताई और पूर्व में किए गए वादे की याद दिलाई। संतों ने कहा कि हाईवे पर लगातार हादसे हो रहे हैं और आए दिन लोगों की जान जा रही है। इसके बावजूद फोरलेन की प्रक्रिया पूरी होने में देरी क्यों हो रही है?

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि हाईवे के संबंध में प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इसका काम जल्द ही धरातल पर दिखाई देने लगेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में हाईवे का निर्माण शुरू हो जाएगा। सिंधिया ने यह भी कहा कि जल्द ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से इस सड़क के निर्माण का पूजन कराया जाएगा।

लंबे समय से चल रहा आंदोलन : एनएच-719 को फोरलेन करने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। संत समाज की अगुवाई में ग्वालियर और भिंड में कई बार आंदोलन भी किए जा चुके हैं। पूर्व में संतों के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात कर हाईवे के चौड़ीकरण की मांग रखी थी। बताया गया कि अभी तक परियोजना की डीपीआर को केंद्रीय

कैबिनेट से मंजूरी नहीं मिल सकी है। इसके चलते परियोजना की प्रक्रिया आगे बढ़ने में देरी हो रही है।

इसी को लेकर सोमवार को संत समाज का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली स्थित सिंधिया के निवास पर पहुंचा। संतों ने उनसे हाईवे को लेकर किए गए वादे को पूरा कराने की मांग की।

कालीदास महाराज ने कहा- रोड नहीं बन रही तो टोल बंद हो मुलाकात के दौरान संत समाज के जिला अध्यक्ष कालीदास महाराज ने कहा कि इस हाईवे को लेकर जनता को सिंधिया से बड़ी उम्मीद है। उन्होंने मांग रखी कि जब तक हाईवे का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक इस मार्ग पर टोल वसूली बंद की जाए।

इस पर सिंधिया ने कोई टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि हाईवे की प्रक्रिया में समय लगता है, लेकिन काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

संतों की उम्मीद पर खरा उतरे हाईवे : प्रतिनिधिमंडल के समन्वयक हेल्प गुरु प्रमोद राजावत ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी संत हाईवे के निर्माण के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। संभाग के लोग भी संतों की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। उन्होंने सिंधिया से कहा कि हाईवे निर्धारित समय पर बने, जिससे ग्वालियर-चंबल संभाग में संत समाज का सम्मान बना रहे।

इस पर सिंधिया ने कहा कि वे स्वयं संतों का बहुत सम्मान करते हैं। हाईवे का निर्माण निर्धारित समय के अनुसार होगा और संतों के आशीर्वाद से काम समय पर प्रारंभ होगा।

ये संत और प्रतिनिधि रहे मौजूद : प्रतिनिधिमंडल में दंदरौआ धाम के महंत रामदास महाराज, हरिनिवास अवधूत चिलोगा महाराज, संत समाज के जिला अध्यक्ष कालीदास महाराज, पायलट बाबा, संत रामेश्वर महाराज, त्रिमूर्ति धाम के संत डॉ. शिवप्रताप महाराज, प्रतिनिधिमंडल समन्वयक भाजपा नेता डॉ. रमेश दुबे, रक्षपाल सिंह, अश्विनी तिवारी, सूबेदार मेजर रामअवतार सिंह परमार, हेल्प गुरु प्रमोद राजावत, पूर्व सैनिक महेश करारिया, हरेंद्र प्रताप सिंह नरवरिया पुर, अरविंद शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुरार पुलिस ने चोरी का वाहन और उसके पार्ट्स किए बरामद, गैरेज में खोलकर बेच दिए थे पुर्जे

छोटा हाथी चोरी कर पार्ट्स बेचने वाले तीन आरोपी भिंड से गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस

मुरार थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को भिंड से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने छोटा हाथी वाहन चोरी करने के बाद उसे भिंड ले जाकर गैरेज में खोल दिया और उसके पार्ट्स अलग-अलग बेच दिए। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गए वाहन की बॉडी, इंजन और अन्य पार्ट्स बरामद किए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मध्य/यातायात सुजावल जग्गा के निर्देशन और सीएसपी मुरार संदीप बांगरे के मार्गदर्शन में मुरार थाना प्रभारी निरीक्षक मैना पटेल ने पुलिस टीम को वाहन चोरी के मामले की पतारसी के लिए लगाया था।

मुखबिर की सूचना पर गैरेज पहुंची पुलिस : पुलिस के अनुसार, खेरिया पदमपुर निवासी सुनील सिंह ने मुरार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी छोटा हाथी लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी07-एल-5634 दुकान के सामने खड़ा था। 8 अगस्त की सुबह दुकान पर पहुंचने पर वाहन गायब मिला। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 396/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान 24 अगस्त को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी गया छोटा हाथी भिंड के भारौली चौराहा स्थित एएस क्लासेस गैरेज में खड़ा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गैरेज मालिक कबीर खान से पूछताछ की। पूछताछ में उसने वाहन चोरी और उसके पार्ट्स बेचने की पूरी जानकारी पुलिस को दी।

चोरी के बाद गैरेज में खोल दिया वाहन : कबीर खान ने पुलिस को बताया कि 8 अगस्त को आशीष उर्फ छोटू का फोन आया था। उसने बताया कि वह छोटा हाथी चोरी करके ला रहा है और रास्ते में उसका डीजल खत्म हो गया है। इसके बाद कबीर अपने मिस्त्री अरशद खान के साथ डीजल लेकर बंटी ढाबे के पास पहुंचा। वहां आशीष चोरी किए गए वाहन के साथ मिला।

आशीष ने पैसों की जरूरत बताते हुए छोटा हाथी बेचने की बात कही। इसके बाद वाहन को गैरेज में लाया गया। पुलिस के अनुसार, कबीर खान, अरशद खान और शमशाद अंसारी ने मिलकर वाहन को खोलकर उसके पार्ट्स अलग कर दिए। कुछ सामान कबाड़ में बेच दिया गया, जबकि कुछ पार्ट्स आरोपियों ने अपने वाहनों में लगा लिए।

निशानदेही पर पार्ट्स बरामद : कबीर खान की निशानदेही पर पुलिस ने दूसरे आरोपी शमशाद अंसारी को उसके घर से पकड़ा। पूछताछ में शमशाद ने छोटा हाथी के चोरी किए गए पार्ट्स अपने वाहन में लगाने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसके वाहन से दोनों गेट, इंजन, आगे का डैशबोर्ड, लोहे एवं प्लास्टिक के हिस्से, दो टायर-रिम और सीट सहित अन्य सामान बरामद किया।

त्योहारों को लेकर पुलिस ने बाजारों में किया पैदल भ्रमण

ग्वालियर जीएनएस

आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस ने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की।

पुलिस टीमों ने बाजारों में दुकानदारों को सड़क पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित नहीं करने की समझाइश दी। साथ ही दुकानों का सामान सड़क पर नहीं रखने के लिए भी कहा गया, ताकि त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ के बीच यातायात सुचारु बना रहे और आमजन को आवागमन में परेशानी न हो। पुलिस ने व्यापारियों एवं आमजन से सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। अधिकारियों ने भ्रमण के दौरान बाजारों की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं को लेकर पुलिसकर्मियों को निर्देश भी दिए।

शिवाभिषेक और मिट्टी के गणेश प्रतिमा संकल्प के साथ होगा धर्म समाज सेवा सप्ताह का समापन

संतों और विद्वानों को राष्ट्र सेवक सम्मान से किया सम्मानित

ग्वालियर जीएनएस

सकल ब्राह्मण महासमिति ग्वालियर द्वारा आयोजित धर्म समाज सेवा सप्ताह के छठवें दिन विभिन्न धर्मस्थलों पर संतों, महामंडलेश्वर, महंतों और विद्वानों का राष्ट्र सेवक सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सकल ब्राह्मण महासमिति के मुख्य संयोजक एच.बी. शर्मा ने की।

इस अवसर पर गंगा दास की बड़ी शाला के महामंडलेश्वर श्री रामसेवक दास महाराज, संत श्री सच्चिदानाथ ढोली बुआ महाराज, लाल टिपारा के संत ऋषभदेव आनंद महाराज, जगदुरु आनंदेश्वर महाराज, जनकताल के महंत कमलदास महाराज, विद्वान पंडित गिरिराज गुरुजी, गुप्तेश्वर महादेव प्राचीन मंदिर के पंडित प्रमोद विठ्ठरिया, सोनू गुरुजी, पंडित ब्रह्मदत्त शास्त्री, भागवताचार्य आचार्य जानकी बल्लभ शास्त्री, बहन मधु कृष्ण दुबे, हनुमानगढ़ अयोध्या धाम के संत राकेश दास, संत तुलसीदास जी, रामदास जी चित्रकूट वाले एवं महंत दान बिहारी शरण जी को अंगवस्त्र, सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भार्गव समाज की संभागीय अध्यक्ष परमानंद शर्मा रहे। मुख्य वक्ता के रूप में सकल ब्राह्मण महासमिति की महिला अध्यक्षा श्रीमती बीना भारद्वाज उपस्थित रहीं। इसके अलावा ब्राह्मण सभा मुरार की महिला अध्यक्षा श्रीमती कांता शर्मा, संरक्षिका सुधा दीक्षित, अंजू दीक्षित, संयुक्त अध्यक्ष संगीता शर्मा और प्रचार मंत्री माया भारद्वाज भी मौजूद रहीं।

कार्यक्रम का संचालन योगेंद्र दीक्षित एवं देवेंद्र कुमार पाठक ने किया। आयोजन श्री गुप्तेश्वर महादेव प्राचीन मंदिर, गंगा दास की बड़ी शाला और लाल टिपारा गौशाला में पुत्रदा एकादशी के अवसर पर किया गया।

सकल ब्राह्मण महासमिति के संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज, अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा, महामंत्री डॉ. मन्नालाल शर्मा एवं मुख्य संयोजक एच.बी. शर्मा ने बताया कि 25 अगस्त को रात्रि 7 बजे 11 ब्राह्मणों द्वारा पंडित गिरिराज गुरु एवं पंडित ब्रह्मदत्त पाण्डेय शास्त्री के आचार्यत्व में शिवाभिषेक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 14 सितंबर से जगदुरु आनंदेश्वर महाराज के मार्गदर्शन में मिट्टी के गणेश प्रतिमा का संकल्प अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाओं के बहिष्कार और शास्त्रों में वर्जित पूजन सामग्री के उपयोग से बचने का संकल्प दिलाया जाएगा। धर्म समाज सेवा सप्ताह का समापन प्रधान कार्यालय ऊंट पुल पर नवीन आजीवन सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह के साथ होगा। कार्यक्रम में निशुल्क भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी रहेगी। इस अवसर पर मुख्य संयोजक एच.बी. शर्मा ने प्रसादी कूपन वितरित किए। आभार शशिकांत दीक्षित ने व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।